@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 166 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-दक्षिण कोरिया 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जायेंगे

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने नई दिल्ली में सार्थक और व्यापक बातचीत की

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को नई दिशा मिली है। भारत और दक्षिण कोरिया आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को अधिक प्रगाढ़ करते हुए आपसी व्यापार को 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने को लेकर समहत हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने नई दिल्ली में सार्थक और व्यापक बातचीत की। बातचीत के बाद दोनों नेता कई समझौतों और व्यवस्था के आदान-प्रदान के साक्षी बने। वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-दक्षिण कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी में हुई कुल प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, वित्तीय सेवाओं, जहाज़ निर्माण, एआई, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा, साथ ही लोगों के बीच और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने आपसी

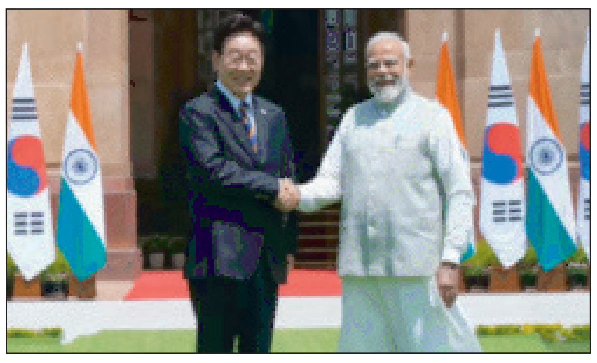

हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार 'भारत-दक्षिण कोरिया स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के तहत संयुक्त दृष्टि पत्र, शिपबिल्डिंग, समुद्री लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास पर अहम समझौते हुए। साथ ही, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को उन्नत करने के लिए वार्ता फिर शुरू करने की घोषणा की गई। दोनों देशों ने पोर्ट्स, स्टील सप्लाई चेन, एमएसएमई, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और डिजिटल ब्रिज जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वित्तीय सहयोग के तहत एनपीसीआई और कोरियाई संस्थान के बीच भुगतान प्रणाली को लेकर समझौता हुआ। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, पेरिस समझौते के तहत सहयोग और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2026-2030), खेल और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा संवाद शुरू करने, इंडो-पैसिफिक पहल में कोरिया की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने जैसे कदमों की घोषणा की। वर्ष 2028-29 को भारत-कोरिया मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया।

- विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी क्षेत्र) पी. कुमारन ने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग की भारत यात्रा के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली ने हैदराबाद हाउस में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में व्यापक और सार्थक चर्चा की।
- कुमारन ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि खाड़ी संकट के मुद्दे पर समस्या के समाधान को लेकर कोई विशेष चर्चा नहीं हुई। चर्चा खाड़ी संकट के प्रभावों को समझने और खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, रसायन बाज़ार, ईंधन बाज़ार और उर्वरक बाजार में होने वाली बाधाओं के संदर्भ में प्रभावों से कैसे निपटा जाए—इस पर केंद्रित थी।
- उन्होंने कहा, 'भारत प्राचीन और समकालीन, दोनों तरह की कहानियों का खज़ाना है, जिन पर गेम्स बनाए जा सकते हैं। इनमें कोरियाई टेक्नोलॉजी और स्पेशल इफ़ेक्ट्स की क्षमताओं का लाभ उठाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया को 'वेव्स' इवेंट के अगले संस्करण में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया।'

2009 में योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण बिल का किया था विरोध, नारी शक्ति से माफी मांगें: सुप्रिया श्रीनेत

एजेसी

बेंगलुरू। उत्तर प्रदेश में विशेष विधानसभा सत्र बुलाकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की खबरों के बीच कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले सीएम योगी को महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। आईएएनएस से बातचीत में सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 2009 में योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण का विरोध किया था। इसके लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री हाथ जोड़कर आधी आबादी, नारी शक्ति से माफी मांगें। उत्तर प्रदेश में विशेष सत्र जरूर बुलाया जाना चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हाथरस, लखीमपुर, आईआईटी बीएचयू में हुई घटनाएं, प्रदेश में जिस तरह महिलाओं की असुरक्षा है, भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह से जुड़े मामले में हमारी सबसे सम्मानित एथलीटों को भी कैसे परेशान किया गया, इन विषयों पर विशेष सत्र के दौरान चर्चा हो कि कैसे आप आंखें बंद करके बैठे थे और महिलाओं के साथ अपराध करने वालों के साथ खड़े रहे।

उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

• तेज रफ्तार बस का टायर फटा, ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका; 100 मीटर नीचे गिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस कगोत के पास सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गिरकर पलट गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे, जिनमें से ज्यादातर लोग रामनगर से उधमपुर में अपने रोजाना के काम पर जा रहे थे। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाकी 6 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

• केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक ट्रांसपोर्ट की थी। घायलों का इलाज GMC ऊधमपुर में किया जा रहा है।

घायलों के मुताबिक बस ओवरलोड थी, रफ्तार भी तेज थी। कगोत नाले के पास अचानक बस का टायर फट गया। इससे ड्राइवर उसे कंट्रोल नहीं कर सका। और बस सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया है।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने उधमपुर बस हादसे पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख की सहायता का ऐलान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुए भीषण बस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु के बारे में जानकर मुझे अत्यंत दुख हुआ है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मैं शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उधमपुर में बस हादसे में लोगों की मृत्यु की खबर से वे बेहद दुखी हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

पचपदरा रिफाइनरी में आग लगने के कारण पीएम मोदी का कार्यक्रम स्थगित

एजेंसी

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर स्थित पचपदरा रिफाइनरी में सोमवार को एक यूनिट में आग लगने के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्धघाटन कार्यक्रम स्थगित हो गया है। आग की ऊंची लपटें औ धुंए का गुबार देख आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। यह घटना उद्घाटन स्थल से मात्र एक किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना से अधिकारियों में थोड़ी दहशत फैल गई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आग क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में लगी। घटनास्थल से घना धुआं उठता देखा गया, जिसके चलते रिफाइनरी की अग्निशमन प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया। प्रभावित क्षेत्र में काम कर रहे कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।अधिकारियों ने पुष्टि की कि आग पर काबू पाने के लिए लगभग 20 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और रिफाइनरी कर्मियों ने रिफाइनरी में लगे दमकल तंत्रों का उपयोग करके आग बुझाने का काम किया।पुलिस नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि दमकल गाड़ियों के लगातार मौके पर पहुंचने के बाद निरंतर प्रयासों से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि घटना मामूली थी और आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया।

अच्छी सड़क और बेहतर रेल बनेगी विकसित भारत का आधार : राष्ट्रपति

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कहना है कि रेल व सड़कें केवल परिवहन के साधन ही नहीं हैं बल्कि आर्थिक राष्ट्रों की नींव हैं। बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकता के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

राष्ट्रपति भवन में भारतीय रेल के प्रोबेशनरी अधिकारियों तथा केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यपालक अभियंताओं से भेंट के दौरान यह बात कही। राष्ट्रपति से मिलने के लिए भारतीय रेल के 2022 और 2023 के अधिकारी जबकि केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के 2021, 2022, 2023 और 2024 बैच) के सहायक कार्यपालक अभियंता निमंत्रित किए गए थे।

राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे समय में सार्वजनिक सेवा में आए हैं जब देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

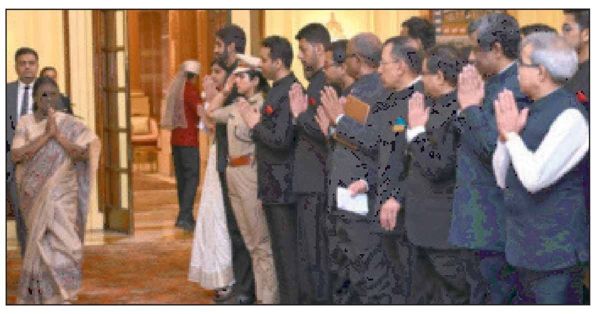

पश्चिम बंगाल के लोगों ने ममता बनर्जी को विदाई देने का मन बना लिया है: जेपी नड्डा

मैं पूरे बंगाल में जो उत्साह देख रहा हूं : जेपी नड्डा

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए सोमवार को केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा मुर्शिदाबाद पहुंचे। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं पूरे बंगाल में जो उत्साह देख रहा हूं, उससे साफ है कि लोगों ने ममता दीदी को अलविदा कहने का फैसला कर लिया है। नड्डा ने यह भी दावा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रुझान बढ़ रहा है और लोग भ्रष्टाचार और परेशानियों से परेशान हैं। लोग डर के माहौल में जी रहे हैं। उन्हें 4 मई को कमल खिलने में उम्मीद नजर आ रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। यह चुनाव बेहतर शासन के वादों पर आधारित एक कड़ा राजनीतिक मुकाबला माना जा रहा है। इस बार

पश्चिम बंगाल में सभी 294 सीटों पर केवल दो चरणों में मतदान होगा। पहला चरण 23 अप्रैल को और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा, जबकि बाकी 7 जिलों की 142 सीटों पर दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे।

चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए बड़े इंतजाम किए हैं। करीब 2.4 लाख केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी, जो किसी एक राज्य में अब तक की सबसे बड़ी तैनाती मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मतदान के बाद भी सुरक्षा बल तैनात रहेंगे ताकि ईवीएम, स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र सुरक्षित रहें।

पहले चरण के प्रचार के खत्म होने में अब केवल दो दिन बचे हैं, इसलिए सभी पार्टियां मतदाताओं को लुभाने के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रही हैं।

विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था : मल्लिकार्जुन खरगे

• महिला आरक्षण का नहीं : मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि महिलाओं को विधानसभाओं और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन विधेयक को स्वयं प्रधानमंत्री ने खत्म किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिला आरक्षण का नहीं।

कूचबिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि यह आप ही हैं जिन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को समाप्त किया। हमने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिलाओं को आरक्षण देने वाले विधेयक का नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लगातार प्रचार करने को लेकर भी तंज कसा।

खरगे ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, जो राज्य में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस आरोप के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक को विफल करने का आरोप लगाया था।

- मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के अधिकारों और उनके कल्याण के पक्ष में रही है। उन्होंने पार्टी के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसी महिला नेता दी हैं।

राष्ट्रपति मंगलवार को ओडिशा दौरे पर, राउरकेला में कई परियोजनाओं का करेंगी उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को ओडिशा के दौरे पर जाएंगी। अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान वह राउरकेला में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति राउरकेला में एक तारामंडल और विज्ञान केंद्र का उद्घाटन करेंगी। इसके साथ ही वह 'निर्मल मुंडा परिवेश पथ' का भी लोकार्पण करेंगी। दौरे के दौरान राष्ट्रपति राउरकेला में एक जनजातीय संग्रहालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का भी उद्घाटन करेंगी।

पश्चिम बंगाल में राजनाथ सिंह ने कहा–

भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो राज्य में गुंडाराज का अंत किया जाएगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, भय और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। बीरभूम जिले के सैंथिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त अवसर थे, लेकिन असामाजिक तत्वों ने पश्चिम बंगाल की स्थिति खराब कर दी। उन्होंने कहा कि एक समय राज्य में निवेशक आने को तैयार थे, लेकिन वर्तमान माहौल ने सब कुछ बदल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है, इसे कोई नकार नहीं सकता। चेतावनी भरे स्वर में उन्होंने कहा कि

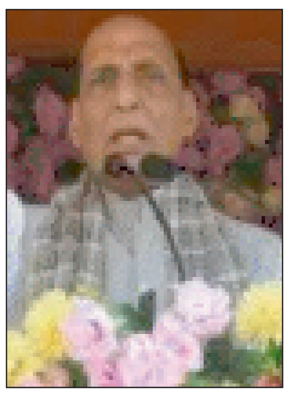

अब जनता को तय करना है कि वह भय और आतंक का शासन चाहती है या उससे मुक्ति। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो गुंडे या तो भाग जाएंगे या जेल के पीछे होंगे। महिलाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के प्रयासों का विपक्षी दलों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाएं इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को इसका जवाब देंगी।

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि राज्य में विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद उन्हें महसूस हुआ है कि जनता इस बार परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सिंह ने कहा कि पहले देश की अर्थव्यवस्था में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। उन्होंने कहा कि राज्य को अब तत्काल बदलाव की जरूरत है।

अभि-नील हत्याकांड में आठ वर्ष बाद 20 आरोपित दोषी करार, सजा की घोषणा 24 अप्रैल को

गुवाहाटी। बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में लगभग आठ वर्षों तक चली सुनवाई के बाद जिला सत्र न्यायालय नगांव ने अंतिम फैसला सुनाते हुए 20 आरोपितों को दोषी करार दिया है, जबकि 25 अन्य को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। उल्लेखनीय की आठ वर्ष पहले उदीयमान संगीतकार अभि और नील कार्बी आंगलोंग जिले में मोबलिंचिंग का शिकार हुए थे। चार दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर दोनों की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी। उल्लेखनीय है कि, यह घटना 8 जून, 2018 को कार्बी आंगलोंग के डोकमका में हुई थी। कार्बी भूमि की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए युवा संगीतकार निलोत्पल दास और अभिजीत नाथ को कुछ उन्मादी लोगों के हमले का शिकार हो गए थे। अपनी जान बचाने के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद वे उन हमलावरों से खुद को बचा नहीं सके।

महिलाओं के आरक्षण का विरोध कर तृणमूल ने किया विश्वासघात : नितिन नवीन

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को आरक्षण देने के केंद्र सरकार के प्रयास का विरोध कर महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि यदि मामला अल्पसंख्यक आरक्षण का होता तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उसके समर्थन में मीलों चलतीं। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के महिषादल में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए अब उस सरकार को सबक सिखाने का समय आ गया है, जो घुसपैठियों की रक्षा करती है, लेकिन अपनी बेटियों को सुरक्षित नहीं रख पाती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को शासन व्यवस्था में उचित भागीदारी देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया, ताकि उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सके, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने इसका विरोध किया। नितिन नवीन ने कहा कि यह विडंबना है कि जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हैं, वहीं बेटियों का अपमान हो रहा है। उन्होंने संदेशखाली और जयनगर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'मां, माटी, मानुष' सरकार में महिलाएं सबसे अधिक उत्पीड़ित और परेशान रही हैं।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरे के दौरान हुईं अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौरे को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा।

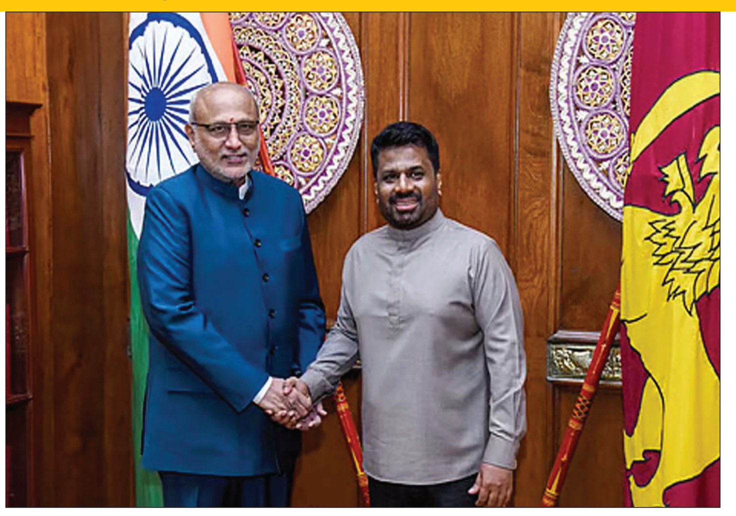

इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, पुराने भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और कोलंबो तथा कैंडी स्थित भारतीय मिशनों के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी होने की संभावना है। दौरे के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

मणिपुर में बम हमले में बच्चों की मौत के खिलाफ 5 दिनों का बंद, हिंसक प्रदर्शनों से घाटी में तनाव

मणिपुर (एजेंसी)। मणिपुर में हालिया हिंसा ने शांति प्रयासों को फिर से बड़ा झटका दे दिया है। बिष्णुपुर जिला में 7 अप्रैल को हुए दर्दनाक बम विस्फोट में दो मासूम बच्चों—एक पाँच साल के लड़के और पाँच महीने की बच्ची—की मौत के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में 19 अप्रैल से पाँच दिनों के पूर्ण बंद (टोटल शटडाउन) का आह्वान किया गया है, जिसने राज्य के घाटी क्षेत्रों में जनजीवन को करीब ठप कर दिया है। इस बंद का नेतृत्व 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चल रही महिलाएँ) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि हमले के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे और पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय मिले। इसके साथ ही, उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय कथित कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग जोड़ी है। बंद के पहले दिन बाजार, स्कूल, सरकारी दफ्तर और परिवहन सेवाएँ बंद रहीं, जबकि केवल आवश्यक सेवाएँ ही सीमित रूप से चालू रहीं। इंफाल पूर्व जिला और इंफाल पश्चिम जिला सहित कई इलाकों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। रात के समय रैलियाँ आयोजित की गईं, जिनमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए। काकचिंग जिला में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि असामाजिक तत्व शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में घुसपैठ कर उन्हें हिंसक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ उपद्रवी पेट्रोल बम, गुलेल और पत्थरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग नशे की हालत में हिंसा को भड़का रहे हैं। सुरक्षा बलों ने दावा किया है कि वे अधिकतम संयम बरतते हुए स्थिति को संभाल रहे हैं और नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। स्थिति की गंभीरता को देखकर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि तनाव और न बढ़े। बंद 23 अप्रैल तक जारी रहने की घोषणा की गई है, और आयोजकों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रैश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रैश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते धुएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाठी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रामक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संशोधित थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर टूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फुलप्रूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गईं, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाम के मशहूर मैदान फिर टूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार हैं, और किसी को भी अनंतनाग जिले में मिनी स्विट्जरलैंड जाने का पछतावा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साए से उबर रहा है। टूरिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाम रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पोनीवाला भी शामिल है, का विज़िटर से बात करने से पहले पहले का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाम में टूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टायम (एजेंसी)। केरल के नेट्टायम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टायम के मलमुकल इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा,'। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग समूहों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठाया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली ÷शर्मनाक हार÷ के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' जानकारी से भरा हुआ है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उनका कहना था कि फेक में उन महत्वपूर्ण सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो संसद में विपक्ष ने उठाए थे।

गौरतलब है कि सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रावधान भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह ÷फर्जी÷ और ÷भ्रामक÷ है। विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं...गांधी, नेहरू और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' कहे जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उठ रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब एआईएमआईएम के 11 सीटों पर लड़ने से समस्या क्यों हो रही है। ओवैसी ने विपक्षी दलों को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी रणनीति मजबूत करनी चाहिए और बहाने बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम है।

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी-बिहार में बढ़ा खतरा

-भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में आंधी, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं कई इलाकों में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दूसरी ओर पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। नई दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले दिन भी मौसम में खास बदलाव की उम्मीद नहीं है।

उत्तर प्रदेश में हालात ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांदा में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और देवरिया समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना है। खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। जबकि पहाड़ी राज्यों में भी बदलाव के संकेत हैं। हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में मौसम सक्रिय

दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बरतनी चाहिए।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा-रजिस्ट्री आपकी इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंडर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया की याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि आपने अनुमति दी थी मैम की रिजॉइंडर फाइल कर दो। रजिस्ट्री स्वीकार नहीं कर रही है। वह आदेश में नहीं आया। अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बार बार ये नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर लिया।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपकी याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रजिस्ट्री का एक नियम है और आपको फॉलो करना पड़ेगा। आपको पहले यहां से मंजूरी लेनी पड़ेगी। यह कोई असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

अरविंद केजरीवाल ने सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब के रिजॉइंडर में कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अटकलों, डर फैलने वाले बयानों और अपमानजनक आरोपों का सहारा लिया लेकिन जस्टिस शर्मा के बच्चों के सरकारी पैनल में होने को लेकर पक्षपात के आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले की सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बदनाम करना चाहती है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लंबित रखना चाहते हैं और बदनाम करने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने अपने रिजॉइंडर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैनल में निष्क्रिय नाम नहीं है बल्कि सरकार से कानूनी काम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई की उन दलीलों का भी विरोध किया कि जिसमें एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल की दलीलों के आधार पर तो सभी जज अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जाएंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।

गुरुग्राम में ट्रैफिक संकट गहराया, 7 साल में सबसे ज्यादा वाहन रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। गुरुग्राम की सड़कों पर भीड़ पिछले सात वर्षों में सबसे अधिक स्तर पर पहुंच गई है। मार्च 2025 से अप्रैल 2026 के बीच शहर में 2,29,964 नए वाहन रजिस्टर हुए, जो 2019 के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह संख्या 2024-25 की इसी अवधि में दर्ज लगभग 2,01,000 वाहनों की तुलना में करीब 15 प्रतिशत ज्यादा है। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (ऋञ्ज) के डेटा और उसके आधार पर एक निजी संस्था के विश्लेषण से सामने आई है। इन रजिस्ट्रेशनों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी टू-व्हीलर्स की रही, जिनकी संख्या 1,00,675 रही। इसके बाद 73,542 निजी चार-पहिया वाहन और 23,154 यात्री चार-पहिया वाहन दर्ज किए गए। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि 30 लाख से अधिक आबादी और भारत में काम कर रही फॉर्च्यून 500 कंपनियों के आधे से अधिक का केंद्र होने के बावजूद गुरुग्राम मुख्य रूप से निजी वाहनों पर निर्भर शहर बन चुका है। यात्री रोज इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, जिसे कभी सुगम कनेक्टिविटी के लिए बनाया गया था, अब यहां व्यस्त समय के दौरान (पीक आवर्स) में औसत रफ्तार 30 किमी प्रति घंटा से भी कम रह गई है। गुरुग्राम-दिल्ली सीमा पर स्थित एमसीडी टोल प्लाजा सबसे बड़े जाम वाले स्थानों में से एक बन चुका है। जहां कमर्शियल वाहनों के रुकने से अक्सर कई किलोमीटर लंबी कतारें लग जाती हैं। शंकर चौक, हीरो होंडा चौक और इफको चौक जैसे प्रमुख जंक्शन स्थायी जाम की स्थिति में रहते हैं। खराब दिनों में 5 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 90 मिनट से अधिक समय लग जाता है। यह समस्या केवल मुख्य सड़कों तक सीमित नहीं है। शहर के अंदर भी हालात खराब हैं। नेताजी सुभाष मार्ग पर साइबर

पार्क जंक्शन और सेक्टर 9/9 तथा बसई रोड के दादा भैया जंक्शन पर लंबे जाम लगते हैं। इन समस्याओं को देखते हुए गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (त्ररूष्ठ्र) ने इन जंक्शनों के री-डिजाइन की योजना बनाई है। त्ररूष्ठ्र ने 17 बड़े जाम वाले स्थानों की पहचान की है, जिनमें बख्तावर चौक, रेजांगला चौक, कौशल चौक और यूनिटेक साइबर पार्क व आर्केडिया मॉल के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इन स्थानों पर 7.58 करोड़ रुपये की ट्रैफिक सुधार योजना लागू की जा रही है। हालांकि हर साल करीब 15 प्रतिशत नए वाहन जुड़ने के कारण ये सुधार पर्याप्त नहीं साबित हो रहे हैं। पर्यावरणीय प्रभाव भी उतना ही गंभीर है। स्नङ्घ2025-26 में नए रजिस्ट्रेशन में पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी 57 प्रतिशत रही, जबकि डीजल वाहनों की 12.8 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। संस्था के अनुसार, डीजल से निकलने वाला धुआं क्करू2.5 स्तर को काफी बढ़ाता है और शहरी वायु गुणवत्ता पर असमान रूप से अधिक असर डालता है। जिससे सख्त उत्सर्जन निगरानी की जरूरत है। गुरुग्राम में प्रदूषण कई कारणों से बढ़ता है। दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों की धूल, मानेसर औद्योगिक क्षेत्र से उत्सर्जन और पराली जलाने जैसी मौसमी समस्याएं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ङ्खद्ध) के मानकों की तुलना में गुरुग्राम का क्करू2.5 स्तर 20 गुना से अधिक है। शिकागो विश्वविद्यालय ऊर्जा नीति संस्थान के शोध के अनुसार, क्करू2.5 के संपर्क के कारण गुरुग्राम के लोगों की औसत आयु 8.8 साल तक कम हो रही है। जो भारत के औसत 5.2 साल से लगभग दोगुना है। फिलहाल स्थिति ज्यादा उत्साहजनक नहीं है। नए रजिस्ट्रेशन में ईवी की हिस्सेदारी सिर्फ 5.4 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, ईवी की संख्या साल-दर-साल घटकर 13,091 से 12,530 हो गई है। जिससे साफ है कि गुरुग्राम की वायु गुणवत्ता समस्या का समाधान अभी आसान नहीं है।

द्वारका टनल के ऊपर बनी सड़क से एनएच-8 तक जल्द फर्राटा भर सकेंगे वाहन, ट्रैफिक पुलिस ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। द्वारका इलाके में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। सेक्टर-21 पैसिफिक मॉल के पास स्थित एलिफेंट चौक से एनएच-8 तक सड़क को नए तरीके से तैयार किया जा रहा है, इससे यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। इस योजना के तहत एलिफेंट चौक पर लगी हाथियों की मूर्तियों को हटा दिया गया है और सड़क का नया अलाइनमेंट तैयार किया है। अब इस रास्ते से वाहन सीधे द्वारका टनल के ऊपर बनी सड़क (सरफेस रोड) से होते हुए एनएच-8 तक जा सकेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने इस मुद्दे को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सामने उठाया था। लगातार प्रयासों और बातचीत के बाद एनएचएआई इस बदलाव के लिए तैयार हुआ। इसके बाद तेजी से काम शुरू हुआ और अब सड़क पर डामर बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य इस व्यस्त इलाके में जाम कम करना और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, इस काम को ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) शिव कुमार और एसीपी ट्रैफिक रविंदर पंडित की निगरानी में शुरू किया गया। टीआई ने इस योजना पर गहन अध्ययन के बाद एनएचएआई और संबंधित एजेंसियों के सहयोग से लागू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह नया रास्ता अगले 10 से 15 दिनों के अंदर यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही, चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने का काम भी किया जा रहा है, जिससे ट्रैफिक और बेहतर तरीके से नियंत्रित हो सकेगा। वहीं, द्वारका सेक्टर-22 स्थित क्लासिक अपार्टमेंट के अध्यक्ष जेबी कौशिक ने बताया कि यातायात पुलिस ने 'प्रोजेक्ट संगम' शुरू किया है। संगम यानी सिस्टमैटिक एक्शन एंड नेटवर्क गवर्नेंस फॉर एरिया मोबिलिटी नामक पहल के तहत वह रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के साथ मीटिंग करती है। ऐसे में एक बैठक में यह मुद्दा उठाया गया था, जिसे संज्ञान लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट लंबे समय से लंबित था और अब इसके पूरा होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इस इलाके में पहले अक्सर जाम लगता था और कई वाहन चालक गलत दिशा में गाड़ी चलाने लगते थे, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। नए अलाइनमेंट के बाद इन समस्याओं में कमी आने की उम्मीद है। यह काम दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के प्रोजेक्ट संगम के तहत किया गया है। इस प्रोजेक्ट में शहर के अलग-अलग इलाकों में ट्रैफिक से जुड़ी समस्याओं को पहचानकर उनका समाधान किया जा रहा है। एसीपी ट्रैफिक रविंदर पंडित ने लोगों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें ताकि सड़कों पर सुगम और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे में इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद द्वारका के इस व्यस्त मार्ग पर रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

40 लाख की लूट का मास्टरमाइंड निकला कारोबारी का नौकर, पत्नी और रिश्तेदार भी शामिल

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में 40 लाख रुपये की लूट की एक सनसनीखेज घटना का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि यह लूट किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि पीड़ित कारोबारी के नौकर ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने नौकर के घर से लूटी गई पूरी रकम बरामद कर ली है। नॉर्थ जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया, घटना रोशना रोड के पास हुई, जहां एक कारोबारी अपने घर से दो बैग में 40 लाख रुपये नकद लेकर कहीं जा रहे थे। एक सुनसान इलाके में पहुंचने पर एक स्कूटर सवार उनके सामने आया। स्कूटर सवार ने कारोबारी को रोका, थप्पड़ मारा और उनके नौकर को भी पीटा। इसके बाद वह उनसे बैग छीन लिया और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तुरंत जांच शुरू की। पुलिस ने कारोबारी के नौकर से पूछताछ की, तो उसकी बातों में कुछ गड़बड़ नजर आई, जिनसे शक पैदा हुआ। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो उन्हें कुछ अहम सुराग मिले, जिनसे पता चला कि इस पूरी साजिश में नौकर का हाथ है। जांच में सामने आया कि इस लूट की पूरी साजिश तीन लोगों ने मिलकर रची थी। इनमें कारोबारी का नौकर हरिओम, उसका रिश्तेदार सन्नी लूथरा और हरिओम की पत्नी मोनिका शामिल थे। पुलिस ने जब हरिओम के घर की तलाशी ली, तो वहां से लूटी गई 40 लाख रुपये की पूरी नकदी बरामद कर ली गई। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों, हरिओम, सन्नी लूथरा और मोनिका को गिरफ्तार कर लिया है।

योजना से दिल्ली में घटेगा प्लास्टिक कचरा, लागू करने के लिए संभावनाओं का अध्ययन शुरू

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्लास्टिक कचरे से बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन शुरू कर दिया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को निर्देश दिए हैं कि वह इस योजना के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर एक महीने के भीतर प्रस्ताव तैयार करे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में आयोजित मनजिंदर सिंह सिरसा की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में प्लास्टिक और अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे से उत्पन्न गंभीर समस्याओं पर चर्चा की गई। मंत्री ने बताया कि यह कचरा नालों को जाम करने, जल स्रोतों को प्रदूषित करने, मिट्टी को नुकसान पहुंचाने और खुले में जलने से वायु प्रदूषण बढ़ाने का कारण बन रहा है। डीआरएस अन्य राज्यों में सफल रही है और दिल्ली को भी अपनी शहरी जरूरतों के अनुसार इसे अपनाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि गोवा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लागू मॉडलों का अध्ययन कर दिल्ली के लिए उपयुक्त ढांचा तैयार किया जाए। प्रस्ताव में वित्तीय व्यवस्था, संस्थागत ढांचा, विभिन्न हितधारकों की भूमिका और प्रभावी क्रियान्वयन रणनीति को शामिल करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि यह योजना न केवल प्रदूषण कम करेगी, बल्कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए कचरे को एक संसाधन में बदलने का अवसर भी देगी। डिपॉजिट रिटर्न स्कीम एक इंसेंटिव आधारित प्रणाली है, जिसमें प्लास्टिक बोतल या पैकेजिंग पर खरीद के समय एक छोटी राशि जमा के रूप में ली जाती है। उपभोक्ता जब इन खाली वस्तुओं को निर्धारित कलेक्शन पॉइंट्स पर लौटाते हैं, तो उन्हें यह राशि वापस मिल जाती है। इससे कचरे के पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा मिलता है।

नियमित कॉलोनियों में खाली-बड़े भूखंडों पर नहीं हो सकेगा निर्माण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के 1511 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के फैसले के बाद इन इलाकों में बुक (अवैध निर्माण के तहत दर्ज) संपत्तियों को बड़ी राहत मिलेगी। एमसीडी ऐसी संपत्तियों को अपनी बुकिंग सूची से हटाएगी, जिससे उन पर तोड़फोड़ का खतरा खत्म हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, नियमितीकरण प्रक्रिया के तहत जिन कॉलोनियों को कानूनी मान्यता दी जा रही है, वहां पहले से दर्ज अवैध निर्माण के मामलों की समीक्षा की जाएगी। इन कॉलोनियों में बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां हैं, जिन्हें पहले नियमों के उल्लंघन के आधार पर बुक किया था। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से इन संपत्तियों के मालिकों को कई तरह के फायदे मिलेंगे। सबसे अहम यह कि उन्हें किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या सीलिंग की कार्रवाई का डर नहीं रहेगा। साथ ही, इन संपत्तियों को बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी आसानी से मिल सकेंगी, जो पहले कानूनी अड़चनों के कारण प्रभावित होती थीं। बताया जा रहा कि जिन संपत्तियों का निर्माण मास्टर प्लान के मानकों के अनुरूप है, उनके मालिकों को किसी प्रकार का जुर्माना भी नहीं देना पड़ेगा। हालांकि, जिन मामलों में निर्माण नियमों से अधिक पाया जाएगा, वहां अलग से समीक्षा की जाएगी। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। पहले संबंधित कॉलोनियों का सर्वे और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा, जिसके बाद बुकिंग सूची को अपडेट किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न विभाग रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस तरह लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जो वर्षों से अनिश्चितता की स्थिति में रह रहे थे। नियमितीकरण के साथ इन इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति मिलेगी

NAME CHANGE

It is for general information that I, JYOTI DEVI W/O RAMESH KUMAR R/O Gaur Medical, Sector-22, Chouda Raghunathpur, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine, my husband's and my minor son has been wrongly written as JYOTI, RAMESH KUWAR and VAIBHAV KUWAR in my minor son namely VAIBHAV KUMAR aged 12 years in his school records and name of my husband's has been wrongly written as RAMESH KUWAR in my minor son's Aadhaar Card No. 965255718335. The actual name of mine, my husband and my minor son are is JYOTI DEVI, RAMESH KUMAR and VAIBHAV KUMAR Respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती दिव्या शर्मा, श्रीमती शशि पठानिया से संपत्ति संख्या A-2/42 एवं 43 के पूर्वी भाग को, जिसका भूमि क्षेत्रफल कुल 100 वर्ग गज में से 50 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 23/4 का हिस्सा है तथा ग्राम राजापुर खुर्द, दिल्ली के क्षेत्र में स्थित, मोहान गार्डन, ब्लॉक A-2, नई दिल्ली में स्थित है, क्रय करना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री राम सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 07.12.1993 के नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती बबीता कुमारी को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती बबीता कुमारी ने दिनांक 19.03.1998 के नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी एवं विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से यह संपत्ति श्री जतिंदर सिंह पठानिया को तथा दिनांक 19.03.1998 के नोटरीकृत एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से श्रीमती शशि पठानिया को हस्तांतरित की। तदनुसार, श्रीमती शशि पठानिया एवं श्री जतिंदर सिंह पठानिया उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं, तथा विक्रय विलेख के निष्पादन में श्री जतिंदर सिंह पठानिया पुष्टि पक्ष (Confirming Party) के रूप में हस्ताक्षर करेंगे। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, गिरवी, देयता या दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- N-17, द्वितीय तल, विजय बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, SUSHMA KADYAN W/o Pawan Kumar Kadyan R/o Room No.17, Trishul Officers Mess, Subroto Park, New Delhi-110010, have changed my name from SUSHMA KADYAN to SUSHMA DHULL permanently

NAME CHANGE

I, PRAMOD S/o Ganesh Rai R/o H.NO.22, samay Pur Road, Shiv Mandir, Karnera, Ballabhgarh, Faridabad-121004, Haryana, have changed my name to PRMOD KUMAR permanently.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Neha Akhtar in respect of **Built-Up Pvt. Unit No. FF-1, on First Floor without roof rights, Part of Property bearing No. RZ-82-D, Gali No. 10, admeasuring 125 sq. yds. out of Khasra No. 499, Situated at Tughlakabad Extension, New Delhi** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which Piramal Finance Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Mr. Balraj Singh and Mr. Tejpal Singh Owner of the Residential LIG Flat no 08 , 1st floor , Block-G, Sector -56 , Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Balraj Singh and Mr. Tejpal Singh have lost Original Allotment letter dated 21.11.1987 issued by NOIDA in favour of M/s Keshni Printers Pvt. Ltd. And Original GPA executed by M/s Keshni Printers Pvt. Ltd through Mr. Vinod Kapoor in favour of Smt. Jasbir Kaur duly regd. vide doc no 21914 , vol no 922-954 , page no 159/277-282 dated 13.09.1988 and Original ATS executed by M/s Keshni Printers Pvt. Ltd through Mr. Vinod Kapoor in favour of Smt. Jasbir Kaur duly regd. vide doc no 4159 , vol no 578 , page no 300-301 dated 23.09.1988 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Tasawar hussain in respect of **Plot No. 86, area 67 ½ Sq.Yds , Khasra no. 17 Situated in the area of village Matiala,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I MAKHMOOR SAEED S/O SAEEDUDDIN MALIK R/0 House NO 1998 1st floor, kucha chelan, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi -110002 have changed my name to MAKHMOOR MALIK

NAME CHANGE

I,JITENDRA KUMAR S/O QUTTILAL R/O A-18,19 & 20 GALI NO-7 BLOCK-R3, MOHAN GARDEN, DWARKA, DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO JITENDRA KUMAR RATHORE.

NAME CHANGE

I Birendra Prashad Sukla S/o Raj Narayan Shukla R/o B-140 Gali No-4, Jaitpur Extn Part-2, Badarpur New Delhi-110044, have Changed My Name to Birendra Prashad Shukla for all purposes,

NAME CHANGE

I, Geeta Devi W/O Pravesh Kumar, R/O Saidpur Kalan po- rohana mills ,sub dist- muzaffarnagar dist- Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251202, have changed the name of my minor daughter Sweetal Insha Pal aged 17 yesrs and she shall hereafter be known as Sweetluck Insan.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री सूरज चौधरी, आवासीय मकान संख्या 35 के स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 100.22 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 330 का भाग है, स्थित ग्राम चिपियाना बुजुर्ग (रेलवे लाइन के पार), परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में है। श्री सूरज चौधरी ने उक्त संपत्ति श्रीमती नरेश चौधरी से दिनांक 17.12.2022 के उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से, जो दस्तावेज संख्या 44302 के रूप में पंजीकृत है, प्राप्त की है। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधनों, देयताओं, प्रभारों, बंधक आदि से मुक्त है तथा उक्त संपत्ति का कब्जा श्री सूरज चौधरी के पास है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित पूर्ववर्ती मूल विक्रय विलेख दिनांक 06.12.2004, जो दस्तावेज संख्या 7142 के रूप में पंजीकृत है, तथा विक्रय विलेख दिनांक 13.04.2011, जो दस्तावेज संख्या 5971 के रूप में पंजीकृत है, खो गए/गुम हो गए हैं और पर्याप्त प्रयासों के बावजूद उपलब्ध नहीं हो सके हैं। उक्त दस्तावेजों के खो जाने के संबंध में दिनांक 17.04.2026 को ऑनलाइन एफआईआर (एलआर संख्या 20260000352773) दर्ज की गई है। कृपया यह भी अवगत रहें कि उक्त संपत्ति के लिए कैन फिन होम्स लिमिटेड, नेहरू प्लेस शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, Vibha Sharma w/o Nitin Verma r/o C-542, Vikas Puri, New Delhi-110018 have changed my name after marriage to Vibha Sharma Verma for all future purposes.

NAME CHANGE

I Jagriti D/o Deepak Nambiar R/o 205/7, Lotus Panache, Sector 110, Noida, Gautam Buddha Nagar, UP 201304 have changed my name to Jagriti Nambiar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NADEEM AHMED S/O HABIB AHMED R/O HOUSE NO. 296, KUCHA MIR ASHIQ, CHAWRI BAZAR, JAMA MASJID, DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM NADEEM AHMED TO MUJEEB AHMED FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I Vaishali W/o Gurudev Singh, House No-B-4, Chander Vihar, Nilothi, PO: Nilothi, DIST: West Delhi, Delhi 110041 have changed my name to Vaishali Sahni for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Avid Khan S/O Jabar Khan R/O Sarai Khatela Sarai (86) Palwal Haryana 121105 I, Have Changed My Name To Abid Khan.

NAME CHANGE

I, Mohammad Nafees S/o Abdul Quddus R/o House No.151, Gali no.3, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084 have changed my name to Mohd Nafees.

NAME CHANGE

I, Shaheena Begum W/o Mohd Nafees R/o House No.151, Gali no.3, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084 have changed my name to Shaheena Bano

NAME CHANGE

I KALA W/O CHANDAN SINGH R/O H NO 242 SUBHASH KHAND GIRI NAGAR KALKAJI SOUTH DELHI 110019 HAVE CHANGED MY NAME TO KALA RAWAT

NAME CHANGE

I MOHAMMAD BABAR AZAD S/o LATE MOHAMMAD SANIF ALAM R/o 853, SECOND FLOOR, RANI BAGH PO: RANI BAGH DIST:NORTH West Delhi, Delhi, 110034 have changed my name to MOHD BABAR AZAD for all future purposes.

NAME CHANGE

I, M LAKSAMY mother of No-5456665L, Rank-HAV, Name-C MURUGESAN Residing at VILL-PALEPALLE, PO-KANDIKUPPAM, TEH & DISTT-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635108 have changed my name from M LAKSAMY to LAKSHMI CHINNASAMY for all future purposes vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, V CHINNASAMY Father of No-5456665L Rank-HAV Name-C MURUGESAN Residing at VILL-PALEPALLE, PO-KANDIKUPPAM, TEH & DISTT-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635108 have changed my name V CHINNASAMY to CHINNASAMI UTHAGIRI for all future purposes vide Affidavit Dated 20/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I AIYSARI KHATOON W/o LATE MOHAMMAD SANIF ALAM R/o 853, SECOND FLOOR, RANI BAGH PO: RANI BAGH DIST: NORTH West Delhi, Delhi, 110034 have changed my name to ANSARI KHATOON for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

The public at large is informed that my clients Aysha begum, W/o Munnan khan, R/o E- 49, E-284, gali no 3 janta mazdoor colony zafrabad delhi 110053 has disowned/ debarred their son and daughter in law namely Mohammad ashu khan and Reema, from their movable and immovable properties due to thier disrespectful behaviour, out of control, and has severed their relations with him for all intents and purposes with immediate effect. Anyone who deals with him will do so at their own risk and responsibility.

Faisal Sattar (Advocate)

NAME CHANGE

I, SUSHIL KUMAR VASHISHT S/o KAILASH NATH SHARMA R/o H NO-1432, NEAR GURDWARA, SEC-15, FARIDABAD, HARYANA-121007 have changed my name to SUSHIL KUMAR SHARMA.

NAME CHANGE

I, RENU VASHISHT W/o SUSHIL KUMAR SHARMA R/o H NO-1432, NEAR GURDWARA, SEC-15, FARIDABAD, HARYANA-121007 have changed my name to RENU SHARMA

NAME CHANGE

I, MOIN AHMAD s/o ABDUL SATTAR r/o E-145/2, 2ND FLOOR, OPPO MOHAMMADI MASJID, SHAHIN BAGH JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to MOIN AHMED

NAME CHANGE

I hitherto known as Sudha Pawar W/o Yogendra Singh R/o Village Sarfabad, Mother Dairy, Sector-73, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as Shivani Panwar.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री सुधीर कुमार शर्मा, श्रीमती सुनीता शर्मा से 22.22 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली एक वाणिज्यिक दुकान, जो खसरा संख्या 14830/12157/882 का भाग है तथा वाका सिवाना, मौजा गुड़गांव, हल्बद कॉलोनी, न्यू ज्योति पार्क, तहसील गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है, क्रय करना चाहते हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री शेर सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 18.07.1994 को एक वसीयत निष्पादित की थी। दुर्भाग्यवश, श्री शेर सिंह का निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी, अर्थात् श्री शमशेर सिंह एवं श्री दिनेश (पुत्र), श्रीमती प्रेम देवी (पत्नी), तथा सुश्री रेखा, सुश्री कविता एवं सुश्री ममता (पुत्रियां) हैं। श्री शमशेर सिंह कटारिया ने दिनांक 22.03.2011 को एक रिलीज डीड के माध्यम से अपना हिस्सा श्री दिनेश कटारिया के पक्ष में त्याग दिया। तत्पश्चात, श्री दिनेश कटारिया ने दिनांक 15.04.2011 को एक विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती वेद वत्स को बेची। इसके बाद, श्रीमती वेद वत्स ने दिनांक 05.12.2022 को एक ट्रांसफर डीड तथा दिनांक 04.01.2023 को एक रेक्टिफिकेशन डीड के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती सुनीता शर्मा को हस्तांतरित की। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधक, भार, ऋण, चार्ज आदि से मुक्त है तथा इसका कब्जा श्रीमती सुनीता शर्मा के पास है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि दिनांक 05.12.2022 की मूल ट्रांसफर डीड (पंजीकरण संख्या 10203) तथा दिनांक 04.01.2023 की रेक्टिफिकेशन डीड (पंजीकरण संख्या 11412), जो उक्त संपत्ति से संबंधित हैं, खो गई/गुम हो गई हैं। पर्याप्त प्रयासों के बावजूद ये दस्तावेज प्राप्त नहीं हो सके हैं। उक्त दस्तावेजों के खोने के संबंध में दिनांक 17.04.2026 को एक ऑनलाइन एफआईआर (LR संख्या 240975/2026) दर्ज की गई है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को RBL Bank Ltd., गुड़गांव शाखा, हरियाणा के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं मोहम्मद इरफान S/O मोहम्मद यूनुस R/O 192 छत्ता लाल मियां दरिया गंज नई दिल्ली 110002 , मेरी बेटी अरीबा इरफान का नाम कई कागजात में गलती से अरीबा सैफी दर्ज है। जबकि उसका पूरा सही नाम अरीबा इरफान है। अत: भविष्य में सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु उसे अरीबा इरफान के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE

I,Naved S/o Kalam R/o RC- 143, Hayat Nagar, Khora colony, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed the name of my minor daughter Aaira aged 9 years and she shall hereafter be known as Alisbaa

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री गोल्डी बनल, श्रीमती मीनाक्षी से एक निजी यूनिट, संख्या 301, जो तृतीय तल के फ्रंट साइड भाग में स्थित है तथा उसके साथ छत/टेरेस के अधिकार सहित, क्षेत्रफल 82.44 वर्ग गज, संपत्ति संख्या क्र्-ष्ठ-1/14, खसरा संख्या 75, जो राजस्व एस्टेट ग्राम नासिरपुर, आबादी एवं कॉलोनी महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली-110045 में स्थित है, क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री अत्तर सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 13.10.1980 के पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, नोटरीकृत एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती मीनाक्षी को हस्तांतरित की। तदनुसार, श्रीमती मीनाक्षी उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं विधिक स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, गिरवी, देयता या दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, SHAKUNTALA DEVI Wife of No-3193641N Rank-L/NK, Name-DHARAMVIR SINGH residing at VILL-NAGLA BAISLA, PO-JAVARA, MATHURA, UTTAR PRADESH-281202, have changed my name from SHAKUNTALA DEVI to SHAKUNTLA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1981 instead of my correct date of birth as 01/07/1980 Vide Affidavit dated 20/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Boby Pramod S/O: Shree Pal Sharma, R/O KRISHNA NAGAR, Khekada, Khekra, Baghpat, Uttar Pradesh, 250101, have changed my name and shall hereafter be known as PRAMOD SHARMA.

NAME CHANGE

I, No-2619268W L/HAV HANAMANT SADASHIV BULLI S/o SADASHIV BULLI Residing at VILL-GOSABAL, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591227, have changed my minor son's name from ROHIT to ROHIT HANAMANT BULLI for all future purposes vide Affidavit dated 20/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No-2619268W L/HAV HANAMANT SADASHIV BULLI S/o SADASHIV BULLI Residing at VILL-GOSABAL, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591227, have changed my minor daughter's name from VAISHNAVI to VAISHNAVI HANAMANT BULLI for all future purposes vide Affidavit dated 20/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SULOCHENA Mother of NO – 5456883K, Rank - HAV, Name – G SOUNDARA RAJAN residing at VTC-ODAYAMUTHUR, PO-UDAYAMUTHUR, SUB DISTT-TIRUPATHUR, DISTT-VELLORE, TAMIL NADU-635652 have changed my name from SULOCHENA to S SULOCHANA for all future purposes vide Affidavit dated 20/04/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती तारा, आवासीय मकान संख्या 1227, क्षेत्रफल 38.018 वर्ग मीटर, जो कि विवेकानंद नगर, सेक्टर 4, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री रूपेश गर्ग से खरीदने का इरादा रखती हैं। श्री रूपेश गर्ग ने उक्त संपत्ति को श्री सुखपाल सिंह एवं श्रीमती पुष्पा देवी से दिनांक 26.10.2009 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से क्रय किया था, जो दस्तावेज संख्या 4086 के रूप में पंजीकृत है। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ऋण, चार्ज आदि से मुक्त है तथा संपत्ति का कब्जा श्री रूपेश गर्ग के पास है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उनके द्वारा उक्त संपत्ति से संबंधित मूल आवंटन पत्र दिनांक 29.10.1976 एवं कब्जा प्रस्ताव पत्र दिनांक 26.04.1977, जो कि श्री दीन दयाल गुप्ता के नाम पर थे, खो गए/गुम हो गए हैं। ये दस्तावेज पर्याप्त प्रयासों के बावजूद उपलब्ध नहीं हो सके हैं। उक्त दस्तावेजों के खोने के संबंध में दिनांक 20.04.2026 को ऑनलाइन प्राथमिकी (FIR) (एल.आर. संख्या 246919/2026) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Can Fin Homes Ltd., नोएडा एक्सटेंशन शाखा, उत्तर प्रदेश वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चैंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, SADHANA SHAW W/O DHRUB CHAND SHAW GUPTA residing at C-218A HARI NAGAR CLOCK TOWER DELHI-110064 have changed my name to SADHANA SHAW GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SHUBEENA PARVEEN W/O MOHD IMRAN residing at H NO-757, HAVELI AZAM KHAN, JAMA MASJID, DELHI-110006. Have changed my name to SHUBEENA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DHRUB CHAND SHAW S/O MURARI LAL GUPTA residing at C-218A HARI NAGAR CLOCK TOWER DELHI-110064 have changed my name to DHRUB CHAND SHAW GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, No. 15504016X Rank-SWR Name-CHOUDHARI SANDIPKUMAR JAYLAL legal father of PARTH CHOUDHARI R/O VPO-HIRDAMALI, TEH- GOREGOAN, DIST-GONDIA, MAHARASHTRA-441801, have changed my minor son's name from PARTH CHOUDHARI to PARTH SANDIPKUMAR CHOUDHARI for all future purposes vide affidavit dated 20/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

(BEDAKHAL)

I, JAGSHARAN SINGH son of SHEODAN SINGH declare as under that I disowned my son`s MANISH KUMAR and his wife ANJU SINGH from my all movable/ immovable/ Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at HOUSE NO-229/28K, RAILWAY COLONY, MANDAWALI FAZALPUR, DELHI-110092

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनुज उर्फ फाइटर पुत्र सोनवीर निवासी फ्लैट नंबर डी-34, जीडीए स्टाफ क्वार्टर, बोलगा प्लेस के पास, थाना सिहानी गेट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 02/2026 U/S 109(1)/221/132/3(5) भारतीय न्याय संहिता r/w 25/25(1)(A)27 Arms Act, अन्तर्गत थाना अपराध शाखा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनुज उर्फ फाइटर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनुज उर्फ फाइटर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 02/2026 U/S 109(1)/221/132/3(5) भारतीय न्याय संहिता r/w 25/25(1)(A)27 Arms Act, अन्तर्गत थाना अपराध शाखा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अनुज उर्फ फाइटर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री नेहा प्रिया
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
दक्षिण-पश्चिम, जिला न्यायालय संख्या 08
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/4952/Crime/2026(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. Pc/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रणव कौशल, निदेशक पैक्टस नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड,** निवासी मकान नंबर H-7, विजय चौक, कृष्णा नगर पूर्व, दिल्ली, और प्लॉट नंबर 19, दूसरी मंजिल, सेक्टर-10, मनीष रॉयल प्लाजा, फेज-1, द्वारका, नई दिल्ली और केएम-13, कवि नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **CT. case No. 1250/2020, u/s 138 NI Act.** के अंतर्गत **थाना : के.एन.के. मार्ग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रणव कौशल** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **प्रणव कौशल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT. case No. 1250/2020, u/s 138 NI Act.** थाना : **के.एन.के. मार्ग, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रणव कौशल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सहलोथ, माननीय
जेएमएफसी-03, कमरा संख्या 213,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4799/RD/2026 (court matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हाईकोर्ट आदेश पर हटेगा अतिक्रमण, स्टिल्ट उपयोग पर सख्ती

एजेंसी

सोनीपत। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सोनीपत के रिहायशी क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला नगर योजनाकार अजमेर सिंह ने बताया कि संबंधित जनहित याचिका पर दो अप्रैल को दिए आदेश के अनुसार रिहायशी प्लॉटों में स्टिल्ट (इमारत के भूतल पर बना एक खुला क्षेत्र) प्लस चार मंजिल नीति पर रोक लगा दी गई है। इसके बाद सरकार ने 16 अप्रैल को नए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत सड़कों के राइट ऑफ वे पर किए गए सभी अतिक्रमण तुरंत हटाए जाएंगे। ग्रीन एरिया, लॉन, लैंडस्केपिंग, बाउंड्री वाल जैसे निर्माण हटाए जाएंगे। साथ ही रिहायशी प्लॉटों के स्टिल्ट फ्लोर का किसी भी तरह का अनधिकृत उपयोग, कब्जा या निर्माण पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीटीपी ने सभी कॉलोनाइजर, डेवलपर, प्लॉट व फ्लोर मालिकों, कब्जाधारकों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों की आंतरिक सड़कों पर किया गया अतिक्रमण तुरंत हटाएं। स्टिल्ट फ्लोर का उपयोग केवल स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के अनुसार ही किया जाए। किसी भी तरह का गलत उपयोग तुरंत बंद करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि तय निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। अतिक्रमण हटाया जाएगा और दंडात्मक कार्रवाई भी लागू की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि नियमों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है और उल्लंघन पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बाबा साहेब ने जीवन के हर कदम पर समाज को अमृत प्रदान किया : कृष्ण कुमार

हिसार। पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केन्द्र हिसार द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्र निर्माण में डॉ. भीमराव आंबेडकर का योगदान विषय पर आयोजित की गई इस गोष्ठी में वक्ता के तौर पर विभाग कार्यवाह कृष्ण कुमार मौजूद रहे। वक्ता कृष्ण कुमार ने रविवार को अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब ने जीवन के हर कदम पर विषपान करते हुए समाज को अमृत प्रदान किया। बचपन से ही बाबा साहब को सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। विद्यालय में अन्य बच्चे उनके साथ नहीं खेलते थे, परंतु उन्होंने कभी भी इसकी शिकायत नहीं की। अपनी माता के प्रेरणा वचनों से उन्होंने शिक्षा को अपना लक्ष्य बनाया और समाज परिवर्तन का संकल्प लिया। एक शिक्षक द्वारा दी गई धार्मिक पुस्तक ने उनके जीवन की दिशा निर्धारित की। कृष्ण कुमार ने बताया कि शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। वे प्रतिदिन 16-17 घंटे अध्ययन करते थे। उन्होंने विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त की और 32 डिग्रियां अर्जित कर अपने आप को समाज सुधार के लिए सक्षम बनाया। उन्होंने श्रमिकों के लिए कार्य के घंटे 12 से घटाकर 8 घंटे करने, भविष्य निधि जैसी योजनाओं की शुरुआत, तथा रोजगार कार्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी प्रमुख पुस्तकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने उनके वैचारिक योगदान को रेखांकित किया।

हिसार एयरपोर्ट पर तैनात किया गया हरियाणा पुलिस का डॉग मैडी

हिसार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विमान की जांच कर चुके हरियाणा पुलिस के डॉग मैडी (लेब्रा ब्रीड) को अब हिसार एयरपोर्ट पर तैनात किया गया है। हरियाणा पुलिस का डॉग मैडी (लेब्रा ब्रीड) उस समय चर्चा में आया, जब उसने पिछले वर्ष 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विमान की सुरक्षा जांची। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान मैडी ने उनके हेलीकॉप्टर में पायलट द्वारा रखी गई शू-पालिश तक को ढूंढ निकाला था। उस समय से हरियाणा पुलिस का डॉग मैडी चर्चा की विषय बना हुआ है। डॉग मैडी अपनी बेहतरीन सूंघने की क्षमता के लिए जाना जाता है। हाल ही में लगभग 15 दिन पहले नागपुर में हुई 69वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट (2025-26) में मैडी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में सिल्वर मेडल जीता है। हरियाणा के इतिहास में पहली बार किसी डॉग ने यह उपलब्धि हासिल की है। मैडी फिलहाल हिसार एयरपोर्ट पर तैनात बम निरोधक दस्ते के ईएचसी वीरभान की निगरानी में रहता है। मैडी एक हाई एक्सप्लोसिव डिटेक्शन डॉग है। मैडी की खासियत यह है कि वह किसी संदिग्ध व्यक्ति पर छिपे हुए विस्फोटक पदार्थों को उनकी गंध से पहचान लेता है, जो कि बहुत मुश्किल काम माना जाता है। वीरभान और मैडी की जोड़ी की सुरक्षा एजेंसियों में काफी मांग रहती है।

हिसार में खुला आईएनएसडी बन रहा है डिजाइन शिक्षा का उभरता हुआ केंद्र

हिसार। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन (आईएनएसडी) धीरे-धीरे हरियाणा में फैशन, इंटीरियर, ग्राफिक और सौंदर्य प्रसाधन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह संस्थान युवाओं को रचनात्मक क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। हिसार में मॉडल टाउन में खुला इंटरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइन (आईएनएसडी) रचनात्मक प्रतिभा को निखारने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। आईएनएसडी की डायरेक्टर ऊषा छिल्लर ने बताया कि हिसार केंद्र का उद्देश्य छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स, क्रिएटिव थिंकिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग देना है।

विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में संसद में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को पास नहीं होने दिया और ऐसा करके सभी विपक्षी पार्टियों ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में रोड़े अटकाने का काम किया है। अभी तक कांग्रेस ने महिलाओं को आरक्षण दिलाने के नाम पर केवल दिखावा किया है।मुख्यमंत्री रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पश्चिम दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत 16 व 17 अप्रैल को देश की सर्वोच्च पंचायत में विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल का विरोध करके हमारी बहन-बेटियों के हक पर डाका डाला है। लोकतंत्र के मंदिर, संसद में जो कुछ भी हुआ,

वह न केवल अलोकतांत्रिक था, बल्कि हमारे देश की आधी आबादी के भविष्य पर एक बड़ा प्रहार था। इस प्रकरण ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टी.एम.सी. और डी.एम.के. जैसे विपक्षी दलों का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात महिलाओं को अधिकार देने की आती है, तो उनका असली चरित्र महिला-विरोधी और सत्ता का लोभी हो जाता है। यह महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक अवसर था, लेकिन विपक्ष ने इस अवसर को भी अपनी संकीर्ण राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 16 अप्रैल 2026 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन क्रांतिकारी विधेयक पेश किए थे। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक।

इन विधेयकों को लाने के पीछे केंद्र सरकार का संकल्प बहुत स्पष्ट था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार, महिला आरक्षण 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होना था। केन्द्र सरकार जानती थी कि यदि हम जनगणना और लंबी परिसीमन प्रक्रिया का इंतजार करते, तो हमारी बहनों को 2029 के आम चुनाव में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता।

वाई प्लस नियमों की अवहेलना कर रहे दुष्यंत चौटाला, शिकायत पर जांच जारी : डीएसपी

एजेंसी

हिसार। हाल ही में हिसार में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व पुलिस के बीच हुई तकरार पर रार बढ़ती जा रही है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने जहां कार्रवाई न होने की हालत में कड़े कदम उठाने की बात कह रखी है वहीं पुलिस का कहना है कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला वाई प्सल नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। पुलिस उप अधीक्षक कमलजीत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के पास वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा है, उसमें पायलट और एस्कॉर्ट का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में दुष्यंत चौटाला पायलट गाड़ी के रूप में जिस प्राइवेट गाड़ी का प्रयोग कर रहे थे, वह वाई प्लस सुरक्षा की अवहेलना है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने उन्हें शिकायत दे रखी है। डीएसपी ने बताया कि गत 16 अप्रैल को जजपा नेता दिग्विजय चौटाला अपने समर्थकों के साथ कुलपति कार्यालय में प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे। वहां मौजूद पुलिस बल और विश्वविद्यालय प्रशासन ने समझाया लेकिन उन्होंने किसी की भी नहीं मानी और उनका प्रदर्शन उग्र हो गया। उन्होंने कुलपति के कार्यालय के गेट को तोड़ने का प्रयास किया और वहां मौजूद पुलिस बल और जीजेयू प्रशासन के साथ अभद्रता की। शांतिपूर्वक रूप से प्रदर्शन किया जा सकता है लेकिन अगर उग्र रूप से प्रदर्शन करते हैं तो कानून अपना काम करेगा। इस घटना के बाद गुजवि प्रोटेक्टर अनिल कुमार ने शहर थाना में शिकायत दी। उस शिकायत के आधार पर शहर थाना में केस दर्ज किया गया। उसमें दिग्विजय चौटाला समेत आठ को आरोपी बनाया और उक्त आरोप में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। डीएसपी कमलजीत के अनुसार 17 अप्रैल को हमें सूचना मिली कि दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला अपने समर्थकों के साथ सामूहिक गिरफ्तारी देने सिटी थाना में पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास की राह पर अग्रसर : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। जींद हरियाणा का दिल है और इसे मजबूत व विकसित बनाने का कार्य लगातार जारी रहेगा। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा भगवान परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जींद-सफीदों रोड के नवीनीकरण का शिलान्यास करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जींद के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

आज का दिन अत्यंत पवित्र और शुभ है। एक लंबे समय की बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना का कार्य शुरू होना हम सभी के लिए गर्व की बात है। इस परियोजना के तहत जींद से सफीदों तक लगभग 41 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। जिसकी चौड़ाई करीब 10 मीटर होगी और इस पर लगभग 56 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। यह सड़क क्षेत्र के विकास को नई गति देगी। डा. मिड्ढा ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान कुछ पेड़ों की कटाई होगी, उसके बदले में दोगुने पेड़ लगा कर पर्यावरण को सुरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए सरकार द्वारा दूसरी जगह भूमि की व्यवस्था की जा चुकी है लेकिन अब सड़क के नवीनीकरण का कार्य शुरू हो चुका है और इसको समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इस परियोजना के तहत शहर में सफीदों गेट से भगवान परशुराम चौक तक सीसी सड़क बनाई जाएगी। लाइट की व्यवस्था की जाएगी। जबकि आगे ब्लैक टॉप सड़क का निर्माण होगा।

बादशाहपुर में विकास को नई रफ्तार, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि बादशाहपुर क्षेत्र की जनता ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ भारतीय जनता पार्टी को लगातार तीसरी बार सत्ता सौंपी है, उस भरोसे पर सरकार पूरी तरह खरा उतर रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ाते हुए आमजन की अपेक्षाओं से भी बेहतर परिणाम दे रही है। कैबिनेट मंत्री टिकली रोड स्थित रामतलाब पर विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने त्यागी मोहल्ला से तहसील तक सीवरेज लाइन डालने व आरएमसी (एम-40) सड़क निर्माण कार्य, नूरपुर मोड़ से अकलीमपुर परिमिट लाइन तक सीवर लाइन व आरएमसी (एम-40) सड़क निर्माण, दरबारीपुर रोड पर नई

सीवर लाइन डालने, विभिन्न गलियों में इंटरलॉकिंग टाइल लगाने तथा सेक्टर-67 स्थित रामगढ़ कम्युनिटी सेंटर के रिनोवेशन सहित कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री ने उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कहा कि बादशाहपुर क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। जो भी विकास कार्य निर्धारित नियमों के अनुरूप हैं और जिनकी मांग क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से की जा रही है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को जाम मुक्त बनाने के लिए सड़कों के चौड़ीकरण, बेहतर यातायात प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने अंसल एसेंसिया, सेक्टर-67 और एम3एम मरीना, सेक्टर-68 में पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। राव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पेयजल, सीवरेज, सड़क, स्ट्रीट लाइट और हरित क्षेत्रों के विकास जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि लोगों को बेहतर और सुगम जीवन वातावरण मिल सके।

भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रतीक हैं : मोहन लाल बड़ौली

भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। कालिदास आश्रम, सांपला में भगवान परशुराम के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री बड़ौली ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और भगवान परशुराम के जीवन, आदर्शों व योगदान को याद किया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रतीक हैं, जिनका जीवन त्याग, तपस्या और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। श्री बड़ौली ने कहा कि

भगवान परशुराम के विचार और आदर्श सभी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

श्री बड़ौली ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समुदाय के नहीं, बल्कि समस्त समाज के आराध्य हैं। समाज में सत्य, न्याय और धर्म की स्थापना के लिए हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि युवा वर्ग भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महान व्यक्तित्वों के जीवन और उनके विचारों से अवगत कराना है, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और समाज में एकता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मोहन लाल बड़ौली ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के भव्य आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूती देते हैं, बल्कि समाज में एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सुधा भारद्वाज पंचकूला नगर निगम चुनाव में होंगी कांग्रेस प्रत्याशी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने पंचकूला नगर निगम के लिए प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया है। हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सुधा भारद्वाज को पंचकूला नगर निगम में मेयर पद का प्रत्याशी घोषित किया गया है। प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी समेत अन्य दलों के मुकाबले कांग्रेस ने इस बार सबसे पहले प्रत्याशी का ऐलान किया है। पार्टी की तरफ से शनिवार को अंबाला से कुलविंद्र कौर तथा सोनीपत से कमल दीवान को प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। कांग्रेस यह चुनाव पार्टी के अधिकारिक चुनाव चिन्ह पर लड़ेगी। सुधा भारद्वाज पार्टी के मीडिया एवं कार्यालय प्रभारी संजीव भारद्वाज की पत्नी है। सुधा भारद्वाज को कुमारी सैलजा तथा रणदीप सुरजेवाला का समर्थन हासिल है। पार्टी नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा चलाई जा रही सद्भावना यात्रा में भी शामिल हो चुकी हैं। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह पूरी तरह से सुधा भारद्वाज के हक में हैं। पंचकूला में पार्टी के पास मुख्य तौर 2 ही नाम थे। इनमें पंजाबी समाज से आने वाले पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र रावल और ब्राह्मण समाज से सुधा भारद्वाज शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा रविंद्र रावल के पक्ष में थे।

17 अप्रैल को पंचकूला में टिकट को लेकर मंथन हुआ था। इसमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और विधायक चंद्रमोहन भी पहुंचे थे। इस बैठक में चंद्रमोहन ने खुलकर रविंद्र रावल का विरोध किया। क्योंकि विधानसभा चुनाव के दौरान रविंद्र रावल ने पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी होने के बावजूद उनका विरोध किया था। इसी के चलते हाल ही में अनुशासन समिति के द्वारा जारी शोकॉज नोटिस के कारण उनके नाम पर सहमति नहीं बनी।

रेवाड़ी में झुग्गी बस्ती में भीषण आग, गैस सिलेंडरों के धमाकों से मचा हड़कंप

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के कोनसीवास रोड स्थित झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई झुग्गियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

आग लगने के बाद झुग्गियों में रखे छोटे गैस सिलेंडरों के फटने से जोरदार धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज सुनकर पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर.उधर भागने लगे। आग की लपटें इतनी ऊंची उठ रही थीं कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई दे रहा था।

घटना के दौरान कई लोग अपने घरों से जरूरी सामान निकालने की कोशिश करते नजर आए, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि अधिकांश परिवारों का घरेलू सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। देखते ही देखते वर्षों की जमा पूंजी आग की भेंट चढ़ गई, जिससे प्रभावित परिवारों के सामने अब बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

सूचना मिलते ही शहर थाना और मॉडल टाउन थाना की पुलिस

मौके पर पहुंच गई और हालात को संभालने में जुट गई। साथ ही बावल और रेवाड़ी से दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद एंबुलेंस भी मौके पर बुलाई गई, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी जनहानि की खबर नहीं है। राहत और बचाव कार्य देर तक जारी रहा। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

अग्निकांड में मारे गए दमकल कर्मियों के लिए तेज होगी न्याय की लड़ाई

एजेंसी।

चंडीगढ़। हरियाणा में गेहूं कटाई के सीजन में फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल के चलते स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। प्रदेश के कई जिलों में आपात स्थिति को देखते हुए राज्य परिवहन की बसों के चालकों के फायर ब्रिगेड की गाडियों के स्टेयरिंग थमाने का प्रयास किया गया है। फरीदाबाद में एक कंपनी में आग बुझाते हुए मारे गए दो कर्मचारियों के परिजनों को राहत राशि प्रदान करने समेत करीब आधा दर्जन मांगों के लिए दमकल कर्मचारी लंबे समय से हड़ताल पर हैं। अग्निशमन विभाग और सरकार के स्तर पर आंदोलनरत कर्मचारियों के साथ तीन दौर की वार्ता हो चुकी है, मगर अभी तक किसी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। सोमवार से इन कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। अब चूंकि गर्मी का मौसम जोर पकड़ गया है और खेतों में फसल कट रही है तो ऐसे में आग की घटनाएं होने की स्थिति में दमकल कर्मियों के हड़ताल पर होने से समस्या बढ़ सकती है। 16 फरवरी को फरीदाबाद के गांव मुजेसर स्थित एक स्टील कंपनी में लगी आग बुझाते समय दो दमकल कर्मचारियों भवीचंद शर्मा व रणवीर सिंह की दर्दनाक मौत हो गई थी। इन दोनों दमकल कर्मचारियों को न्याय दिलाने तथा विभागीय समस्याओं के समाधान को लेकर नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर आठ अप्रैल से प्रदेशभर में दमकल कर्मियों की हड़ताल चल रही है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा और सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व महासचिव कृष्ण कुमार नैन ने भी हड़ताल और कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया है। उन्होंने दमकल कर्मचारियों की मांगों का शीघ्र समाधान नहीं होने की स्थिति में आंदोलन के तेज करने की चेतावनी दी है। हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंद ने कहा कि जब तक अग्निकांड में अकाल मृत्यु का शिकार हुए भवीचंद शर्मा व रणबीर सिंह को शहीद का दर्जा नहीं मिलता, मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक-एक सदस्य को सरकारी पक्की नौकरी नहीं मिलती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

सनातन में आदिकाल से ही गौसेवा और गौपूजा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है : कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सनातन में आदिकाल से ही गौसेवा और गौपूजा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इसी मूल आदर्श की पालना करते हुए राज्य सरकार ने गौ संवर्धन तथा गौसेवा आयोग का गठन किया है। आयोग का उद्देश्य प्रदेश में गौ संवर्धन को बढ़ावा देना और उन्हें सुरक्षित जीवन प्रदान करना है और यह जिम्मेदारी सरकार द्वारा बखूबी निभाई जा रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार सायं नरवाना के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गौशाला संचालक समितियों से मुलाकात करते हुए यह विचार व्यक्त किये। मौके पर कैबिनेट मंत्री ने श्री कृष्णा गौशाला समिति बरटा को 2 लाख 92 हजार 560 रुपए तथा जय बाबा खाकनाथ गौशाला समिति कोयल को 1 लाख 39 हजार 380 रुपए के चेक भी वितरित किये। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार गौवंश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में स्थापित गौशालाओं का सही रूप से संचालन हो। इसके लिए सरकार

समय-समय पर संचालन समितिंयौ को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर की गौशालाओं को आर्थिक मजबूती और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से वर्तमान बजट में आयोग के लिए बाकायदा 575 करोड रुपए की धनराशि का प्रावधान किया हुआ है। इसके तहत साल में हर तिमाही के बाद प्रत्येक गौशाला को आवश्यकता अनुसार आर्थिक मदद दी जाती है। इसके अलावा आयोग द्वारा गौशाला में प्रत्येक नंदी के लिए प्रतिदिन 25 रूपए, गाय के लिए 20 रूपए और बछड़े के लिए 10 रुपए की दर से सहायता राशि निर्धारित की गई है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार गौसेवा को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारी के रूप में भी देखती है और इसे गौसेवा आयोग और गौशाला संचालक समितियौ के परस्पर समन्वय के साथ निभाया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में गौ हत्या पर भी प्रतिबंध को शक्ति से लागू किया गया है।

कुरुक्षेत्र में बीमारी से हारी जिंदगी, माता-पिता ने 3 साल की मासूम बेटी संग लगा ली फांसी

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे प्रदेश की रूह कंपा दी है। प्रेम नगर कॉलोनी में एक हंसते-खेलते परिवार का अंत इतनी खौफनाक तरीके से होगा, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। एक पति-पत्नी ने अपनी 3 साल की नन्हीं बेटी के साथ मौत को गले लगा लिया। तीनों के शव घर के भीतर पंखे से लटके हुए मिले, जिसने भी यह मंजर देखा उसकी आंखें फटी की फटी रह गईं। घटना की सूचना मिलते ही सोमवार सुबह सुभाष मंडी चौकी पुलिस मौके पर पहुँची। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय जतिंद्र कुमार, उनकी पत्नी मंजू (28) और मासूम बेटी अदविका के रूप में हुई है। शुरुआती जांच और मौके से मिले सुसाइड नोट से जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। बताया जा रहा है कि मासूम बेटी अदविका एक गंभीर और लाइलाज बीमारी से जूझ रही थी। अपनी आंखों के सामने बच्ची को तड़पता देख माता-पिता इस कदर मानसिक तनाव में आ गए कि उन्होंने इस खौफनाक कदम को उठाने का फैसला कर लिया। बिखर गया रिटायर्ड पुलिसकर्मी का परिवार मृतक जतिंद्र रेलवे मेल सर्विस में कार्यरत था और उसके पिता महेंद्र सिंह पंजाब पुलिस से रिटायर्ड थे। पिता की 6 महीने पहले ही मौत हुई थी और अब घर का चिराग भी बुझ गया।

घर में अब सिर्फ बुजुर्ग मां बिमला देवी बची हैं, जिनके सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एक भाई कनाडा में रहता है, जिसे इस भीषण त्रासदी की सूचना दे दी गई है। थाना कृष्णा गेट के SHO बलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से बरामद सुसाइड नोट को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि यह साफ हो सके कि इसके पीछे कोई और दबाव तो नहीं था। हालांकि, प्राथमिक तौर पर मामला बीमारी से उपजे अवसाद (Depression) का ही लग रहा है।

पाकिस्तान यूएई को शेष 1.5 अरब डॉलर का कर्ज लौटाएगा

कराची ।

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक (स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान-एसबीपी) ने कहा है कि वह 23 अप्रैल तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लिए गए 3.5 अरब डॉलर के ऋण में से बचे 1.5 अरब डॉलर का भुगतान कर देगा। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से लगभग 1.2 अरब डॉलर की संभावित किस्त मिलने की उम्मीद के बीच की गई है। एसबीपी प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही यूएई को 2 अरब डॉलर का भुगतान कर` दिया था। इससे पहले सऊदी अरब को भी 3 अरब डॉलर की सहायता में से 2 अरब डॉलर वापस` किए जा चुके हैं। केंद्रीय बैंक का कहना है कि इन भुगतान और अन्य धन प्रवाह के बावजूद देश का विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर बना हुआ है। यह पाकिस्तान के अपनी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रयासों को दर्शाता है।

- सोने का भाव 1,53,000, चांदी 2,52,000 रुपए प्र ति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों वायदा बाजारों में सोमवार को कारोबार की शुरुआत में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। कीमती धातुओं के भाव दिनभर दबाव में रहे और खबर लिखे जाने तक उनकी कीमतों में और नरमी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव 1,53,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी का वायदा भाव 2,52,300 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब बना हुआ है। एमसीएक्स पर सोने के जून कॉन्ट्रैक्ट ने आज 1,451 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,158 रुपये प्रति 10 ग्राम पर शुरुआत की, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,609 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 1,620 रुपये की और गिरावट के साथ 1,52,989 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस वर्ष सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का अपना सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के मई कॉन्ट्रैक्ट ने भी सोमवार को सुस्त शुरुआत की। यह 3,689 रुपये की गिरावट के साथ 2,53,453 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,57,142 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय चांदी का यह कॉन्ट्रैक्ट 4,838 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,52,304 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर देखा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दबाव अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना 4,811.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,879.60 डॉलर प्रति औंस से कम था। खबर लिखे जाने के समय यह 61.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,818.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस वर्ष सोने का अंतर्राष्ट्रीय उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर रहा। इसी तरह कॉमेक्स पर चांदी 80.24 डॉलर प्रति औंस पर खुली और खबर लिखे जाने तक 1.38 डॉलर की गिरावट के साथ 80.46 डॉलर प्रति औंस पर थी। चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 26, निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से आज सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। हालांकि अंत में कुछ खरीबदारी से बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 26.76 अंकों की बढ़त के साथ ही 78,520.30 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.30 अंक उछलकर 24364.85 के स्तर पर बंद हुआ है। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और ये नीचे आया। आज सेंकेक्स के शेयरों में ट्रेंट , एशियन पैंट्स , एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि कोटक महिन्द्र बैंक , बीईएल, एचसीएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे। आज एनएसई पर मिड और स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट रही । इसके चलते निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.25 फीसदी तक गिरा जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी 0.46 फीसदी की गिरावट रही। आज ज्यादातर इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी आईटी, मेटल, फार्मा, प्राइवेट बैंक, रियल्टी समेत कई इंडेक्स में गिरावट नजर आई जबकि निफ्टी ऑटो, मीडिया और पीएसयू बैंक के शेयर गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार गिरा है। अमेरिका के एक ईरानी जहाज पर कब्जे के बाद से ही दोनो के बीच शांति वार्ता अधर में लटक गयी है। इससे ट ऑफ हॉर्मूज पर तनाव बढ़ गया है। इसका असर कच्चे तेल पर भी दिखा और आज इसका भाव करीब 5 फीसदी बढ़कर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे भी बाजार पर दबाव आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, शुरुआती सुस्ती के बाद बाजार में थोड़ी रिकवरी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बैंकिंग सेक्टर में निवेशकों की खरीदारी ने बाजार को मजबूती प्रदान की। 24,391.50 पर खुला।

क्रिप्टो करेंसी के 2700 करोड़ के टोकन चोरी

-हार्मुज जलमार्ग बंद होने से क्रिप्टो करेंसी में गिरावट

बंगलुरु ।

भारत में 2026 की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरी सामने आई है, जहां हैकर्स ने एक प्लेटफॉर्म के लेयर में सेंध लगाकर करीब 1.16 लाख (आरएस ईटीएच) टोकन चुरा लिए, जिनकी कीमत लगभग 2,700 करोड़ रुपये आंकी गई है। हमले के बाद प्लेटफॉर्म ने कॉन्ट्रैक्ट फ्रीज कर आगे की चोरी रोकी। इस घटना से कई ब्लॉकचेन नेटवर्क पर जोखिम बढ़ा है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव और हार्मुज जलमार्ग बंद होने की आशंका से बाजार दबाव में है। बिटकॉइन करीब 2 प्रतिशत गिरकर 75,064 डॉलर पर आ गया, हालांकि निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

यूएई की तेल व्यापार में डॉलर को छोड़कर युआन अपनाने की चेतावनी

- अमीरात ने अमेरिकी नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और अमेरिका-ईरान संघर्ष के मद्देनजर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपनी तेल व गैस बिक्री के लिए अमेरिकी डॉलर के बजाय चीनी युआन या अन्य वैकल्पिक मुद्राओं को अपनाने की चेतावनी दी है। यूएई ने इस स्थिति के लिए डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है, साथ ही संभावित डॉलर संकट से निपटने के लिए अमेरिका से डॉलर स्वैप लाइन की मांग की है। मैक्रोइकोनॉमिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि यूएई तेल व्यापार में युआन को अपनाता है, तो यह वैश्विक स्तर पर दशकों से कायम डॉलर के प्रभुत्व को गंभीर चुनौती देगा। चीन पहले ही कई देशों के साथ मुद्रा स्वैप समझौते कर चुका है, जिससे युआन का अंतरराष्ट्रीय उपयोग बढ़ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम नहीं होता, तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था व मुद्रा बाजार पर असर तय है। गैर-डॉलर व्यापार देशों को अपने डॉलर भंडार को कर्ज चुकाने के लिए सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। इस बीच, भारत में भी डॉलर पर निर्भरता कम करने के संकेत मिल रहे हैं। हाल ही में भारतीय कंपनियों ने ईरान से तेल खरीद के लिए डॉलर की बजाय युआन में भुगतान किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और रिटेल जैसे अन्य सेक्टर भी वैकल्पिक भुगतान विकल्पों की तलाश में हैं, जो वैश्विक व्यापार में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर मामूली प्रभाव

तेल, गैस और एसएमई क्षेत्र प्रभावित, लेकिन कॉर्पोरेट लचीलापन उत्साहजनक

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी दो महीने पुराने संघर्ष का भारत के प्रमुख बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता पर अब तक कोई खास असर नहीं पड़ा है। हालांकि, बैंकरों ने चालू तिमाही में कुछ मामूली प्रभाव की आशंका जताई है और वे लगातार सतर्कता बरतते हुए अपने पोर्टफोलियो की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इसके बावजूद, बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले महीनों में स्थिति में सुधार आएगा। भारत के प्रमुख बैंकरों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद देश के बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता अभी भी अप्रभावित है। एचडीएफसी बैंक के एक अधिकारी ने स्वीकार किया कि तेल, गैस और उनसे सीधे जुड़े क्षेत्रों में कुछ हद तक व्यवधान देखा गया है, लेकिन कॉरपोरेट क्षेत्र इस संकट से निपटने में सक्षम हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। उनके मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुछ मामूली असर दिख सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक नहीं होगा। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट का यील्ड (प्रतिफल) और करेंसी (मुद्रा) पर तात्कालिक असर पड़ा है, जो वित्त वर्ष 2026 के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक सभी संकेतकों की निगरानी जारी रखेगा और आर्थिक वृद्धि तथा व्यापार मांग पर इसका प्रभाव संघर्ष की अवधि पर निर्भर करेगा। मार्च में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपये में रिकॉर्ड गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। केंद्रीय बैंक ने बैंकों की शुद्ध ओपन पोजीशन (एनओपी) को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित कर दिया था। इस पोजीशन को कम करने से वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुछ नुकसान हुआ और 10 अप्रैल तक अनवाइंड करने की समय-सीमा के कारण इसका एक हिस्सा वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी दिखेगा। हालांकि, बैंक कुल मिलाकर मजबूत स्थिति में बने हुए हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में फिर गिरावट, बिटकॉइन-एथेरियम टूटे

क्रिप्टोकरेंसी जीनियस टर्मिनल ने निवेशकों को 200 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में एक बार फिर निराशा का माहौल है। पिछले 24 घंटों में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 1.30 फीसदी गिरकर लगभग 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया, जिससे `बिटकाइन और इथे रियम सहित अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में गिरावट दर्ज की गई। इस मंदी के दौर में भी एक अज्ञात क्रिप्टोकरेंसी जीनियस टर्मिनल ने पिछले सात दिनों में निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न देकर सबको चौंका दिया है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण में लगभग 1.30 फीसदी की कमी आई है, जिससे यह 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर हो गया है। बाजार में कमजोरी के बावजूद सोमवार सुबह फियर एंड ग्रीड इंडेक्स में 1 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 51 पर पहुंच गया, जो निवेशकों के बीच एक न्यूट्रल भावना को दर्शाता है। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले सप्ताह के मुकाबले लगभग स्थिर बना हुआ है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर देखने को मिला। बाजार की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन करीब 1.5 फीसदी टूटकर 74,595 डॉलर पर आ गई, जबकि एथेरियम में लगभग 2.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत

2,283 डॉलर हो गई। अन्य प्रमुख डिजिटल संपत्तियों जैसे एक्सआरपी, सोलोना और हाइपरे लिक्विड में भी 1.5 से लेकर 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। ऐसे गिरते बाजार में जहां अधिकांश निवेशक नुकसान झेल रहे थे, वहीं जीनियस टर्मिनल नामक क्रिप्टोकरेंसी ने असाधारण प्रदर्शन किया। पिछले 7 दिनों में इस कॉइन ने निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का चौंका देने वाला रिटर्न दिया, जिसका मतलब है कि यदि किसी ने इसमें एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो वह बढ़कर तीन लाख रुपये से अधिक हो सकता था। हालांकि, पिछले 24 घंटों में इसमें 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और इसकी कीमत घटकर लगभग 0.6271 डॉलर पर आ गई। बाजार की इस मंदी के बावजूद, कुछ अन्य क्रिप्टोकरेंसी ने भी सकारात्मक प्रदर्शन किया।

अनलिस्टेड शेयर में 9 प्रतिशत गिरावट

मुंबई ।

एनएसई के संभावित आईपीओ को लेकर बनी उत्सुकता के बीच अनलिस्टेड मार्केट में इसके शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी में 2,075 रुपये पर कारोबार करने वाला शेयर अब लगभग 1,885 रुपये तक आ गया है। गिरावट की मुख्य वजह सख्त नियम और निवेशकों की सतर्कता मानी जा रही है। करीब 20,000 करोड़ रुपये के इस ऑफर फॉर सेल में केवल पुराने निवेशकों को ही हिस्सेदारी बेचने की अनुमति होगी, जिससे नए निवेशक इस दौड़ से बाहर हो गए हैं।

दिल्ली में वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश महंगा, माल ढुलाई पर पड़ेगा असर

हल्के और भारी वाहनों के लिए 40-50 फीसदी की बढ़ोतरी, वस्तुओं की कीमतों पर भी दिखेगा असर

नई दिल्ली ।

दिल्ली में अब व्यावसायिक वाहनों को प्रवेश के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है।

यह बढ़ोतरी 19 अप्रैल से लागू हो गई है, जिससे परिवहन और रसद लागत बढने की आशंका है, जिसका सीधा असर दैनिक उपयोगरी वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है। नए आदेश के तहत, हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) के लिए ईसीसी 1,400 रुपये से बढ़कर लगभग 2,000 रुपये हो गया है, जबकि भारी ट्रकों के लिए यह शुल्क 2,600 रुपये से बढ़कर 4,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

विभिन्न श्रेणियों के वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क में लगभग 40 से 50 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। एमसीडी ने सभी टोल प्लाजा को इन संशोधित दरों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 12 मार्च के निर्देश के अनुरूप है। न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए, प्रदूषण कम करने और डीजल से चलने वाले वाणिज्यिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश से हतोत्साहित कर बाहरी एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ने के लिए इन शुल्कों में वृद्धि का आह्वान किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अप्रैल से इन दरों को लागू करने और भविष्य में 5 फीसदी वार्षिक वृद्धि का प्रावधान करने का भी निर्देश दिया था। इस कदम से जहां एक ओर दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इसका सीधा प्रभाव व्यापार और उपभोक्ता पर पड़ने की आशंका है। एमसीडी टोल संग्रह को सुव्यवस्थित करने के लिए रें फिड -आधारित प्रणालियों जैसे उपाय भी कर रही है। अदालत ने नगर निगम को टोल ढांचे की समीक्षा करने, विस्तृत यातायात आकलन करने और आवश्यकता पड़ने पर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने के लिए एनएचएआई के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया है।

डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म रेजरपे आईपीओ की जल्द करेगा घोषणा

- कंपनी की इस इश्यू के जरिए 600-700 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना

मुंबई ।

डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म रेज़रपे जल्द ही अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी इस इश्यू के जरिए 600-700 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। इसकी संभावित वैल्यूएशन 5-6 बिलियन डॉलर आंकी गई है, जो इसके पूर्व के पीक से काफी कम है और बाजार में स्टार्टअप्स के प्रति बढ़ती सतर्कता का संकेत है। रेज़रपे कॉन्फिडेंशियल फाइलिंग रूट का इस्तेमाल करेगी, जिसके तहत कंपनियां अपने वित्तीय विवरणों को तुरंत सार्वजनिक किए बिना सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कर सकती हैं। यह रणनीति हाल के समय में स्विगी, ग्रो और मीशो जैसी कंपनियों द्वारा भी अपनाई गई है, जो उन्हें बाजार की स्थिति को देखते हुए लचीलापन देती है। हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रेज़रपे की संभावित वैल्यूएशन 5-6 बिलियन डॉलर है, जो 2022 में इसके 7.5 बिलियन डॉलर के पीक से काफी कम है। यह गिरावट बढ़ती प्रतिस्पर्धा, धीमी पेमेंट ग्रोथ और कंपनी के लगातार घाटे के बीच आई है। सार्वजनिक बाजार के निवेशक अब पहले की तुलना में अधिक चयनात्मक हो गए हैं और वे उन कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनके पास स्पष्ट मुनाफे का रोडमैप या मजबूत ग्रोथ नंबर हों। हाल ही में फोनपे ने भी कम वैल्यूएशन ऑफर होने के कारण अपने आईपीओ की योजना को `फिलहाल टाल` दिया था। ऐसे में रेज़रपे को निवेशकों को अपनी प्रॉफिटेबिलिटी और भविष्य की ग्रोथ को लेकर आश्वस्त करना होगा। यह आईपीओ भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण टेस्ट साबित होगा कि बाजार अब हाई वैल्यूएशन के बजाय यथार्थवादी मूल्यांकन पर कितना जोर देता है।

अमेरिका में अवैध आयात शुल्कों का रिफंड शुरू, अरबों डॉलर वापसी का मार्ग प्रशस्त

60 से 90 दिन में मिलेगी राशि; उपभोक्ताओं को भी अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद

यॉक ।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए विवादास्पद आयात शुल्कों की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा इन शुल्कों को असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद संबंधित कंपनियों के लिए रिफंड का दावा दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। यह उन हजारों आयातकों के लिए राहत लेकर आया है जिन्होंने अरबों डॉलर का भुगतान किया था। अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) के अनुसार, आयातक और उनके एजेंट सोमवार सुबह आठ बजे से एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रिफंड का दावा कर सकते हैं। सीबीपी ने बताया कि स्वीकृत दावों पर रिफंड जारी होने में 60 से 90 दिन का समय लग सकता है। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी, जिसमें पहले हाल ही में किए गए भुगतान शामिल होंगे। न्यायालय ने माना था कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया था, जिससे अमेरिकी संसद के कर निर्धारण अधिकार का उल्लंघन हुआ। सीबीपी के आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 3,30,000 आयातकों ने करीब 166 अरब डॉलर के शुल्क का भुगतान किया था। हालांकि, फिलहाल रिफंड प्रक्रिया के पहले चरण में कुछ ही मामलों को शामिल किया गया है। इस निर्णय से कुछ मामलों में उपभोक्ताओं को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ेगी।

भारतीय बैंकों में 2026 की पहली छमाही में औद्योगिक ऋण वृद्धि संभवसर्वेक्षण

- स्थिर विस्तार की उम्मीद, निजी व सार्वजनिक बैंक अधिक आशावान

नई दिल्ली ।

फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के एक संयुक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय बैंकिंग क्षेत्र जनवरी-जून 2026 की अवधि में 9-13 प्रतिशत की औद्योगिक ऋण वृद्धि का अनुभव करने के लिए तैयार है। यह वृद्धि स्थिर और क्रमिक होगी, न कि कोई तेज उछाल।

इस विस्तार को पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग से समर्थन मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के विश्लेषण से पता चलता है कि यह औद्योगिक ऋण वृद्धि पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय मांग में सुधार जैसे कारकों से समर्थित होगी। हालांकि, बैंकों की विभिन्न श्रेणियों में ऋण वृद्धि की उम्मीदें अलग-अलग हैं। छोटे वित्त बैंकों (एसएफबी) और सहकारी बैंकों के गैर-खाद्य ऋण में अपेक्षाकृत रूढ़िवादी विस्तार की उम्मीद है, जो लगभग 7-9 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्शाते हैं। यह मुख्य रूप से बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के प्रति उनके सीमित जोखिम और खुदरा व एमएसएमई ऋणों पर उनके मजबूत ध्यान के कारण है। इसके विपरीत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अधिक आत्मविश्वास प्रदर्शित करते हैं। इनमें ऋण वृद्धि लगभग 11-13 प्रतिशत और कुछ मामलों में 13 प्रतिशत से ऊपर की श्रेणियों में अपेक्षित है। यह आशावाद उनकी बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, मजबूत पूंजी बफर और कॉर्पोरेट ऋण में निरंतर गति से प्रेरित है, खासकर पूंजीगत व्यय बहाली के संकेतों के बीच। निजी बैंकों में गैर-खाद्य ऋण प्रतिक्रियाएं अधिक विविध वितरण दिखाती हैं। हालांकि अधिकांश बैंक 11 से 13 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं, कुछ चुनिंदा निजी बैंक 13 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की उम्मीद भी कर रहे हैं। यह उनके मजबूत खुदरा पोर्टफोलियो, एमएसएमई की ऋण गति और कैलिब्रेटेड कॉर्पोरेट एक्सपोजर रणनीतियों को दर्शाता है। विदेशी बैंकों के लिए, वृद्धि 11 से 13 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है। यह वैश्विक तरलता की स्थिति, पूंजी आवंटन प्राथमिकताओं और घरेलू कॉर्पोरेट क्रेडिट बाजारों में उनकी चुनिंदा भागीदारी से समर्थित मध्यम आशावादिता की स्थिति है।

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे मे राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वाताओं ने यह दशार्या कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दशार्ता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दशार्ती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत का अनुभव होता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है।

यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है ।इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुई हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर ह्वगंभीर चिंताह्व जताई है।

ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जबाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जबाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मयार्दा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का कोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय

सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकताः स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

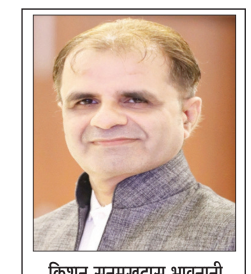

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फेलोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रियाः प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ह्वप्रोसीजरल रिस्क ह्व (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्वगवर्नेंस रिस्क प्रीमियमह्व बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रियाः गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैंः शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन):निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धिः बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का सतर्क रवैयाः इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैंः(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)संस्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता हैः(1) रुपया (करेंसी):विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केटः सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केटः कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकिः(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तोः बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असरः वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम : (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक 'रेड फ्लैग' बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं किःराजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी? शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय मेंःनीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक 'बाइंग अपोर्चनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए, निगरानी कार्यक्रम का 30 अप्रैल तक विस्तार; अब संसद में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद एक विवादित निगरानी कार्यक्रम को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यह कम अवधि का विस्तार है। इसके बाद अब इस मुद्दे पर कांग्रेस (संसद) में बहस होने की संभावना है। यह विधेयक शुक्रवार को सीनेट में अंतिम क्षण में पारित किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निगरानी का अधिकार कुछ ही दिनों में समाप्त न हो जाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया और इसके नवीनीकरण का समर्थन किया। हालांकि, आलोचक इसे नागरिकों की आजादी के लिए खतरा मान रहे हैं। इस विवाद के केंद्र में 'धारा 702' है। यह विदेशी खुफिया निगरानी कानून का हिस्सा है। यह धारा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी (सीआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए), संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य एजेंसियों को बिना वारंट के विदेशी संचार को बड़ी मात्रा में एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी अमेरिकी नागरिकों के संदेश भी शामिल हो जाते हैं, अगर वे विदेशी लक्ष्यों से संपर्क में हों।

'ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा हैं मुनीर, ईरान से करीबी संबंध', अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित 'रेड फ्लैग' यानी जोखिम साबित हो सकते हैं। इसकी वजह उनके ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से लंबे समय से संबंध बताए जा रहे हैं। फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में ईरानी नेतृत्व से गहरे और लंबे समय से संबंधों के कारण मुनीर को उनके ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित जोखिम बताया गया है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि मुनीर के ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, जिनमें कुद्स फोर्स के मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी शामिल हैं। ये संबंध ऐसे समय में चर्चा में हैं, जब मुनीर अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच पीछे वाले दरवाजे से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका के तहत वह दोनों देशों के बीच गोपनीय स्तर पर संवाद बनाए रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताते हैं। लेकिन, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। फॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए, खासकर अफगानिस्तान में उसकी भूमिका को लेकर उसे एक 'भरोसेमंद सहयोगी नहीं' माना जा सकता है। इसलिए, उनके ईरान के साथ नजदीकी संबंध को सुरक्षा के लिए जोखिम के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप से बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं', पोप लियो बोले- मेरा काम दुनिया में शांति को बढ़ावा देना है

कैमरून, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है। कैमरून से अंगोला की उड़ान के दौरान पोप लियो चौदहवें ने एक बार फिर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका मिशन राजनीति नहीं, बल्कि शांति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।'' पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और वेटिकन के बीच वाकयुद्ध का जो दौर चल रहा था, उस पर पोप ने स्पष्ट किया कि शांति का उनका प्रचार किसी व्यक्ति विशेष (ट्रंप) के लिए नहीं, बल्कि ईसा मसीह के उपदेशों पर आधारित है। ट्रंप ने उन पर अपराधों को लेकर 'नरम' होने और वामपंथियों का करीबी होने का आरोप लगाया था, यहां तक कि उनके चयन का श्रेय भी खुद को दिया था। इसके जवाब में पोप ने कहा कि मेरे बयानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देना नहीं था। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और अफ्रीका के आंतरिक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर युद्ध का औचित्य साबित करना गलत है। 'मैं मुख्य रूप से एक पादरी के रूप में, कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में अफ्रीका आया हूं। मेरा काम दुनिया में न्याय, भाईचारा और शांति को बढ़ावा देना है।

उत्तर कोरिया ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, हाई अलर्ट पर जापान; दक्षिण कोरिया भी सतर्क

प्योंगयांग , एजेंसी। एशिया में एक बार फिर तनाव की लहर तेज हो गई है। रविवार को दक्षिण कोरिया ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब क्षेत्र पहले से ही सुरक्षा चुनौतियों और शक्ति संतुलन के दबाव से जूझ रहा है। लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षण न केवल पड़ोसी देशों के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके सिनपो से छोड़ी गईं। यह इलाका पहले भी मिसाइल परीक्षणों के लिए जाना जाता रहा है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है।

हाई अलर्ट पर जापान, देशभर में मचा हड़कंप : इतना ही नहीं रविवार सुबह जापान में उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की खबर सामने आई। स्थिति को गंभीर मानते हुए जापान सरकार तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई और देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि सुबह करीब 6

बजे उत्तर कोरिया की ओर से कई मिसाइलें छोड़ी गईं। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर ही समुद्र में गिर गईं, जिससे किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत जारी : इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया मिलकर स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं। सभी देश मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इन मिसाइलों का मकसद क्या था और आगे क्या खतरा हो सकता है। घटना के तुरंत बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे तेजी से जानकारी जुटाएं और हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

दक्षिण कोरिया ने बढ़ाई निगरानी : इस बीच दक्षिण कोरिया ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है और वह लगातार अमेरिका और जापान के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से दागी गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल यह उत्तर कोरिया का सातवां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है और अप्रैल महीने में ही चौथा परीक्षण है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है, क्योंकि इन नियमों के तहत उत्तर कोरिया को ऐसे परीक्षण करने की अनुमति नहीं है।

हालांकि उत्तर कोरिया इन प्रतिबंधों को नहीं मानता और उसका कहना है कि यह उसके आत्मरक्षा के अधिकार के खिलाफ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन पहले भी कह चुके हैं कि उनका देश अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु और मिसाइल ताकत को लगातार बढ़ाता रहेगा। इसी बीच, परमाणु मामलों की निगरानी करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया तेजी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है और उसने संभवतः यूरेनियम संवर्धन की नई सुविधा भी तैयार कर ली है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में गोलीबारी, 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह घायल

कीव, एजेंसी। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति ने सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी कर दी है। इसके बाद उसने एक सुपरमार्केट में लोगों को बंदी बना लिया। इसकी वजह से करीब छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। कीव पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी की यह घटना दक्षिणई होलोसिव्स्की में हुई है। हमलावर को मार गिराया गया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इगोर क्लिमेंको ने बाद में पुष्टि की कि एक सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बना लिया गया था और हमलावर ने मारे जाने से पहले पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाई थी। मृत और घायलों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कीव के मेयर क्लिट्स्को ने कहा कि एक बच्चे सहित कम से कम 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना की ज्यादा जानकारी देते हुए क्लिट्स्को ने कहा कि हमलावर ने सबसे पहले सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह एक सुपरमार्केट में मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। यूक्रेन के अभियोजक रुस्लान क्रावचेंको ने हमलावर की पहचान रूस की राजधानी मॉस्को के निवासी के तौर पर की है। उन्होंने बताया कि रूसी नागरिक ने इस घटना को अंजाम देने के लिए स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया था। इसके पहले कुछ

मीडिया रिपोर्ट्स ने बताया कि हमलावर जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें भी आग लग गई है। हालांकि, कई लोगों ने इसे विस्फोट का परिणाम बताया। घटना की पुष्टि करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि एक हमलावर ने सुपरमार्केट में चार लोगों को बंदी बना लिया था। यूक्रेन पुलिस ने प्रयास करके इन सभी को सुरक्षित निकाल लिया है। हमलावर की मौत हो चुकी है।

कम से कम 10 लोग घायल : घटनास्थल से लाइव प्रसारण में दिखा कि जिस मॉल कॉम्प्लेक्स में सुपरमार्केट था, उसके अंदर पुलिस टीमें गोलीबारी के बीच मोर्चा संभाले थीं. गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं. जानकारी के मुताबिक, आसपास मौजूद लोगों को हालात बिगड़ते ही तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 10 लोग घायल हैं और सदमे की स्थिति में अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ऑपरेशन के दौरान 4 बंधकों को सुरक्षित बचा लिया गया. यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सुरक्षा सेवा के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं. जांच जारी रहने के बीच गृह मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा बंद होने से भड़का अमेरिका, ईरान के खिलाफ बनाई खास रणनीति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट अब और भी ज्यादा बढ़ने की कगार पर है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। अब अमेरिका ने भी तेहरान के इस फैसले के खिलाफ ऐक्शन प्लान बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक ईरान के व्यापारिक जहाजों को केवल धमकी देने वाला अमेरिका अब होर्मुज से बाहर आने वाले और समुद्र में मौजूद जहाजों पर कब्जा करने की तैयारी में है। हालांकि, अभी तक अमेरिका की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के होर्मुज बंद करने के फैसले से नाराज अमेरिका अब ईरान के व्यापारिक जहाजों के ऊपर चढ़कर उन्हें जब्त करने की तैयार में है। दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जर्नल ने बताया कि आने वाले समय में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद ईरानी जहाजों को अमेरिका जब्त करना शुरू करेगा। इसके लिए वह होर्मुज के अलावा भी ऐक्शन लेने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के ऊपर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। ताकि ईरान होर्मुज को खोलने और परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके। बता दें, शुक्रवार को ईरान ने होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज के बाहर लगे ब्लाकेड को ईरानी जहाजों के लिए खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईरान ने ट्रंप के ऊपर वादा-खिलाफी का आरोप लगा, शनिवार को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान कर दिया। ईरानी सेना की तरफ से एक बयान जारी करके कहा गया कि ईरान ने लेबनान में सीजफायर को मद्देनजर रखते हुए होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों से निकलने वाले और यहां आने वाले जहाजों के लिए अपना ब्लाकेड नहीं खोला है। इसलिए अब इस्लामिक राज्य ईरान भी होर्मुज को दोबारा से बंद कर रहा है। ईरान ने इस घोषणा के बाद रेडियो के जरिए सभी जहाजों को होर्मुज के बंद होने की सूचना दे दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को होर्मुज के खुलने के ऐलान के साथ कई जहाज यहां से निकलने के लिए आगे बढ़े।

कर्ज नहीं चुका पा रहा मालदीव, मुइज्जू को आई भारत की याद: करेंसी स्वैपिंग की मांग रहे मदद

माले, एजेंसी। मालदीव में गहराते आर्थिक तनाव के बीच भारत सरकार मालदीव द्वारा करेंसी स्वैप सुविधा को विस्तार देने के अनुरोध पर विचार कर रही है। हालांकि, मौजूदा नियमों और सख्त शर्तों के कारण भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। मालदीव वर्तमान में भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने पर्यटन और ऊर्जा लागतों को प्रभावित कर मालदीव की कमर और तोड़ दी है।

सूत्रों के मुताबिक, मालदीव ने भारत से फिर से करेंसी स्वैप सुविधा बढ़ाने की गुहार लगाई है। लेकिन भारतीय नियमों के अनुसार, दो बार निकासी के बीच एक कूलिंग-ऑफ (निश्चित

समय का अंतर) का होना अनिवार्य है। साथ ही रोल-ओवर (कर्ज की अवधि बढ़ाना) की भी एक तय सीमा होती है। इन तकनीकी कारणों से भारत के लिए दोबारा मदद देना आसान नहीं है। यदि भारत इस बार विस्तार नहीं दे पाता है, तो मालदीव की वित्तीय स्थिति अल्पावधि में और अधिक बिगड़ सकती है।

भारत का अब तक का सहयोग : भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव की समस्याओं को दूर करने के लिए कई असाधारण कदम उठाए हैं। अक्टूबर 2024 में भारत ने 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा प्रदान की थी, जिसे सख्त नियमों के बावजूद दो बार रोल-ओवर किया गया। मई और सितंबर 2025 में भारत ने 50-50 मिलियन डॉलर के दो ब्याज मुक्त ट्रेजरी बिलों की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' और ऋण चुकाने की शर्तों में ढील देने की घोषणा की गई थी। नाजुक दौर में मालदीव की अर्थव्यवस्था रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, मालदीव की स्थिति बेहद चिंताजनक है। फिच रेटिंग्स ने मालदीव की सॉवरेन रेटिंग को 'सीसी' पर रखा है, जो कर्ज चूक की उच्च संभावना को दर्शाता है। मूडिज ने भी अपनी 'सीएए2' रेटिंग बरकरार रखी है। अप्रैल 2026 में मालदीव को लगभग 1 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना था, जिसमें 500 मिलियन डॉलर का सुकुक बॉन्ड और भारत के साथ 400 मिलियन डॉलर का करेंसी स्वैप शामिल है। 1 अप्रैल, 2026 को मालदीव सरकार ने अपने सॉवरेन डेवलपमेंट फंड से सुकुक बॉन्ड का भुगतान तो कर दिया, लेकिन इससे उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम हो गया है। मालदीव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन पर टिकी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है और ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। इन विपरीत परिस्थितियों में मालदीव के लिए नए अंतरराष्ट्रीय ऋण जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

हिजबुल्ला की चेतावनी : इजरायली उल्लंघन का मिलेगा करारा जवाब

बेरुत, एजेंसी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष-विराम का मतलब पूरी तरह से हमले बंद होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान में किसी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। कासिम ने अपने बयान में कहा कि एकतरफा संघर्षविराम नहीं हो सकता। उन्होंने साफ किया कि अगर आक्रामक कार्रवाई जारी रहती है, तो हिजबुल्लाह के लड़ाके उसी हिसाब से जवाब देंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पांच अहम शर्तें भी रखीं। इनमें पूरे लेबनान में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करना, इजरायली सेना की पूरी वापसी, बंदियों की रिहाई, विस्थापित लोगों को वापस बसाना और अरब तथा अंतरराष्ट्रीय मदद से

पुनर्निर्माण शामिल है। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह हार नहीं मानने वाला है और वह लेबनान की आजादी और संप्रभुता के लिए आगे भी प्रयास करता रहेगा। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह लेबनानी सरकार के साथ सहयोग का 'एक नया अध्याय' शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के साथ काम करने पर जोर दिया। इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुआ। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा की थी। लेकिन इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि उसने 'येलो लाइन' के पास पहुंच रहे लड़ाकों पर हमला किया। यह इलाका दक्षिणी लेबनान में इजरायल द्वारा बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र की उत्तरी सीमा माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों और एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, इजरायली सेना ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में, कफरचौबा गांव के पास एक नया सैन्य ठिकाना बनाना भी शुरू कर दिया।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना के बुलडोजर और खुदाई मशीनें, एक टैंक की सुरक्षा में, वहां जमीन समतल करने का काम कर रही थी। इन गतिविधियों में जमीन को समतल करना, खुदाई करना और मिट्टी के टीले बनाना शामिल था; ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वहां एक नया सैन्य ठिकाना स्थापित किया जा रहा है, जो प्रशासनिक रूप से कफरचौबा से जुड़ा होगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह जगह 'रबा अल-तेबेन' पहाड़ी है, जो लेबनान-इजरायल सीमा से करीब 1.5 किलोमीटर दूर है और जहां जैतून के पेड़ और अंगूर के बाग हैं।

'ईरान वेनेजुएला नहीं है': गालिबाफ का बड़ा दावा- दुश्मन की हर योजना नाकाम

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की लगभग सभी सैन्य योजनाएं पूरी तरह विफल हो गईं। उनका कहना है कि दुश्मन ईरान की एयरफोर्स और मिसाइल ताकत को कमजोर नहीं कर सका, न ही नौसेना को खत्म कर पाया और न ही जमीनी हमला सफल रहा। उन्होंने खास तौर पर यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने या उस पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल करने की कोशिश भी नाकाम रही।

बिचौलियों के जरिए संदेश भेज रहे हैं ट्रंप' : गालिबाफ ने कहा कि दुश्मन ने पहले चेतावनियां और समयसीमा देकर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब उसमें भी सफलता नहीं मिली तो अब वह 'बिचौलियों के जरिए संदेश भेजने' लगा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने युद्ध के मैदान में बढ़त बनाई, जिसके कारण अस्थायी युद्धविराम हुआ। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रंप अपने लक्ष्य, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसकी सैन्य क्षमता खत्म करने, में पूरी तरह असफल रहे। गालिबाफ ने यह भी कहा कि 'ईरान वेनेजुएला नहीं है', यानी यहां बाहरी दबाव से सरकार नहीं बदली जा सकती।

'ईरान ने अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेला' : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने माना कि सैन्य ताकत के मामले में अमेरिका ईरान से ज्यादा मजबूत है, लेकिन उन्होंने

जोर देकर कहा कि सिर्फ हथियार, पैसा और संसाधन ही जीत तय नहीं करते। उनके मुताबिक, ईरान ने 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' यानी अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेल दिया। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर समझ बनी है, लेकिन अभी भी कई बड़े मतभेद बाकी हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा और कूटनीति में भी झुकने का सवाल नहीं उठता।

'अमेरिका फर्स्ट' दिखावा, इस्राइल को प्राथमिकता देने का आरोप : मोहम्मद गालिबाफ ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' की बात करता है, लेकिन असल में वह इस्राइल के हितों को प्राथमिकता देता है और उसी के आधार पर फैसले लेता है। हालांकि जमीनी स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। हाल के घटनाक्रम में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बार-बार स्थिति बदल रही है, कभी इसे खोलने की घोषणा होती है, तो कभी फिर से बंद करने की बात सामने आती है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बाद क्यूबा में ईंधन संकट गहराया, स्पेन समेत कई देशों ने जताई चिंता

मैड्रिड। मैड्रिड, एजेंसी। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया। अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा, 'सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक

हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। 'बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा : अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। इसके साथ ही देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

क्यों होती है कुछ बच्चों को दूध से एलर्जी जानें कारण व उपाय

जिन बच्चों या लोगों को दूध से एलर्जी होती है, उन्हें वह जल्दी महसूस नहीं होता है। आमतौर पर दूध की एलर्जी वाले लोगों में इसके लक्षण कई घंटे या फिर कई दिनों बाद देखने को मिलते हैं। दूध की एलर्जी ज्यादातर नवजात शिशुओं और बच्चों में होती है, जिसके कई लक्षण हो सकते हैं।

- मुत्र का रंग गहरा पड़ने लगता है, जिसमें कई बार रक्त या बलगम हो सकता है।
- दूध की एलर्जी के चलते पेट में ऐंठन होना भी एक आम लक्षण है।
- कई लोगों में दूध से होने वाली एलर्जी के कारण त्वचा पर चकत्ते भी होते हैं।
- दस्त व खांसी होना भी इसके आम लक्षण हैं।
- इसके अलावा गीली आंखें, बहती नाक भी इसके संकेत हो सकते हैं।
- दूध की एलर्जी के कुछ लक्षण जल्दी ही दिखाई देते हैं जैसे- जी मिचलाना, उल्टी, घबराहट, होंठों के पास खुजली और सूजे हुए होंठ व गला इसके आम लक्षण होते हैं।
- कुछ बच्चों में दूध की एलर्जी के कारण अनैफिलैक्टिक शॉक भी होता है, जिसमें बच्चे के होंठ, गले व मुंह में सूजन हो सकती है। अनैफिलैक्टिक के कारण खून में कमी, सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसका तुरन्त इजाल करवाना चाहिए, अन्यथा यह घातक भी हो सकता है।

दूध की एलर्जी के कारण

दूध व दूध वाले उत्पादों में पाए जाने वाले कुछ प्रोटीन के कारण दूध की एलर्जी हो सकती है। दूध से एलर्जी वाले लोगों में, शरीर कुछ दूध वाले प्रोटीन को हानिकारक रूप में पहचानता है और प्रोटीन को बेअसर करने के लिए इम्युनोग्लोबुलिन ई नामक एंटीबॉडी का उत्पादन जोखिम का कारण बनता है। फिर, हर बार जब आप प्रोटीन के संपर्क में आते हैं, तो एंटीबॉडी उन्हें पहचानती हैं और हिस्टामाइन और अन्य रसायनों को छोड़ने के लिए आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को संकेत देती हैं, जिसके परिणाम स्वरूप एलर्जी होती है। वयस्कों की तुलना में बच्चों में दूध की एलर्जी अधिक आम है, क्योंकि बच्चों का पाचन तंत्र कमजोर होता है। यह लैक्टेज एंजाइम की कमी से होता है। दूध का लैक्टोज जब छोटी आंत में पहुंचता है, तो वहां से लैक्टेज एंजाइम से ग्लूकोज और गैलेक्टोज टूट जाता है, जिससे दूध आसानी से पच नहीं पाता। लैक्टोज दूध व दूध से बने उत्पादों में पाया जाने वाला प्राकृतिक शुगर है। जब किसी को दूध हजम नहीं हो पाता है तो उसे लैक्टोज इंटॉलरेंस की समस्या होती है। इससे एलर्जी की समस्या के साथ-साथ पाचन संबंधी समस्याएं भी होती हैं।

दूध की एलर्जी के बचाव व उपचार

- दूध से एलर्जी के लिए आपके बच्चे को जिस दूध से एलर्जी है उस दूध का सेवन करवाना बंद कर देना चाहिए।
- दूध की एलर्जी के लिए आपको सर्वप्रथम चिकित्सक से सुझाव लेना चाहिए।

फूड एलर्जी क्या है और क्यों होती है?

भोजन में पाए जाने वाले किसी तत्व आमतौर पर प्रोटीन के प्रति शरीर के प्रतिरोधी तंत्र (इम्यून सिस्टम) द्वारा की जाने वाली प्रतिक्रिया ही फूड एलर्जी है। शरीर त्रुटिवश उसके प्रति ऐसा व्यवहार करता है जैसे कि वह कीटाणु अथवा कोई अन्य घुसपैठिया हो और वह खुद को बचाने की भरपूर कोशिश करता है।

चलिए विस्तार से जाने की फूड एलर्जी क्या है और ये कैसे होती है। दरअसल जब हमारा शरीर खाने के प्रति ज्यादा क्रियाशील हो तो उससे फूड एलर्जी की समस्या पैदा हो सकती है, यहां तक कि प्रोटीन युक्त खाना भी कभी-कभी आपके शरीर के लिए नुकसानदेह परिणाम दिखाता है। हमारे शरीर के पाचनतंत्र में प्रतिरोधक व्यवस्था होती है, जिसे इम्यूनोग्लोबिन 'ई' कहा जाता है। यह शरीर में एलर्जी उत्पन्न करने वाले कारकों से रक्षा करता है।

फूड एलर्जी के प्रति शरीर दो तराकों से प्रतिक्रिया करता है पहला फूड एलर्जी और दूसरा अपच। कई पदार्थ ऐसे होते हैं जिन्हें शरीर की पाचन प्रणाली स्वीकार नहीं करती। जैसे कुछ लोगों को दूध पीने पर अपच या डायरिया की समस्या हो जाती है वहीं कुछ लोगों को अंडे से एलर्जी होती है। फूड एलर्जी किसी खाद्य पदार्थ के प्रति शरीर की प्रतिशोध प्रतिक्रिया है, जो काफी गंभीर होती है व कभी-कभी जानलेवा भी। वैसे अधिकांश लोगों में यह प्रतिक्रिया अपच के रूप में होती है। फूड एलर्जी कम ही होती है। हालांकि किसी भी खाद्य पदार्थ से एलर्जी हो सकती है फिर भी कुछ खाद्य पदार्थों से ऐसा होने की संभावना अधिक रहती है। बच्चों में एलर्जी उत्पन्न करने वाले सबसे सामान्य खाद्य पदार्थ हैं।

■ मूंगफली ■ अंडे ■ दूध ■ सोया ■ गेहूं ■ शेलफिशॉ ■ ट्री नट्स

एलर्जी की प्रतिक्रिया ज्यादातर गलत खाद्य के उपभोग से 30 मिनट के अंदर ही होती है। अक्सर प्रतिक्रिया 5 से 10 मिनट के अंदर होती है, लेकिन इसका असर खाने के 4 से 6 घंटे की लंबी अवधि के बाद भी हो सकता है। फूड एलर्जी फूड असहिष्णुता (इन्टालरेंस) से अलग है। फूड इन्टालरेंस भोजन के प्रति होने वाली भौतिक प्रतिक्रिया है, लेकिन वह प्रतिक्रिया एलर्जिक नहीं है।

लैक्टोज इन्टालरेंस इसका एक सामान्य उदाहरण है । इससे पीड़ित लोगों को चीनीयुक्त दूध पचाने में दिक्कत होती है और जब वे दूध पीते हैं या डेयरी उत्पादों का सेवन करते हैं तो उन्हें पेटदर्द या दस्त (डायरिया) हो जाता है। हालांकि फूड इन्टालरेंस के लक्षण असुविधाजनक हो सकते हैं, लेकिन यह स्थिति खतरनाक नहीं है। अन्य स्थितियां भी है जैसे कि सेलिऑक रोग जो भोजन से प्रतिक्रिया तो कर सकता है (सेलिऑक रोग से पीड़ित लोगों को गेहूं वाली किसी भी चीज से दिक्कत होती है, लेकिन वह एलर्जिक नहीं है।

एलर्जी का एक दूसरा रूप ओरल एलर्जिक सिंड्रोम कहलाता है। इससे पीड़ित लोगों में कुछ फलों और सब्जियों को खाने से होंठ, मुंह और गले (और कभी- कभी होंठों में सूजन) में खुजली होती है। यह कम खतरनाक है। फूड एलर्जी के काफी मामले सामने आ रहे हैं विशेष रूप से बच्चों में। विशेषज्ञों का आकलन है कि 8 प्रतिशत तक बच्चे फूड एलर्जी से पीड़ित होते हैं। वयस्कों में यह संख्या 1 से 2 प्रतिशत है। हालांकि फूड एलर्जी का सही कारण अज्ञात है, लेकिन यह परिवारों में तेजी से फैल सकता है।

एलर्जी के लक्षण

खुजली का होना

- आंखों, होंठों, चेहरे और गले में सूजन का होना।

डायरिया

- सांस लेने में तकलीफ का होना
- धड़कनों का तेज हो जाना

बचने के तरीके

- अगर आपको चने से एलर्जी है, तो इसके परिवार में आने वाले सारे अनाजों का सेवन करना छोड़ देना चाहिए।
- खाने की चीजों के वैज्ञानिक नाम भी आपको पता होना चाहिए।
- जब भी बाहर खाएं उन बातों का ध्यान रखें, जिससे आपको एलर्जी है।
- हमेशा विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार भी रहें।
- एलर्जी होने के कुछ छुपे हुए कारण भी होते हैं, उन्हें जानने का भी प्रयास करें।

रेसिपी

हेल्दी बनाना केक

- केला: 3 ■ अंडे: 2 ■ गेंहू का आटा: 1 कप ■ चीनी: 1/2 कप ■ ब्राउन शुगर: 1/4 कप ■ एप्पल सॉस-1/3 कप
- ऑलिव ऑयल: 1 टीस्पून
- बादाम मिल्क: 7 टीस्पून
- नमक: 1/2 टीस्पून
- बेकिंग सोडा: 1 टीस्पून
- मिनी चॉकलेट चिप्स:1/2 कप

विधि

30 डिग्री पर ओवन को प्रीहीट कर लें। फिर बेकिंग ट्रे पर थोड़ा सा ऑयल लगाकर उसे चिकना कर लें। एक बाउल में चीनी, एप्पल सॉस और ऑलिव ऑयल डालकर अच्छे से मिक्स करें और अलग रख दें। केला, अंडा, बादाम मिल्क, नमक और बेकिंग सोडा को ब्लेडर जार में डालकर स्मूद पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में आधे केले का पेस्ट, चीनी का मिक्सचर और गेहूं का आटा डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें बचा हुआ केला डालें और अच्छे से मिक्स कर लें। अब इस मिक्सचर को बेकिंग ट्रे में डालें और ऊपर से चॉकलेट चिप्स डालकर ओवन में 45 मिनट तक गोल्डन ब्राउन होने तक बेक कर लें। केक को ओवन से निकाल कर 15 से 20 मिनट तक ठंडा होने दें। इसे स्लाइस में काट कर सर्व करें।

दाली तोई

- अरहर दाल: 1 कप
- हींग: चुटकी भर
- कटी हुई हरी मिर्च- 3
- नमक- स्वाद के अनुसार

तड़के के लिए

- इमली: 1/4 चम्मच ■ लाल मिर्च: 2 ■ करी पत्ता: 10 ■ नारियल तेल: 2 चम्मच ■ धनिया पत्ती: 2 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर कुकर में आवश्यकतानुसार पानी व हरी मिर्च के साथ डालें। मध्यम आंच पर कम-से-कम 15 मिनट तक पकाएं। गैस ऑफ करें और कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। दाल को अच्छी तरह से मैश कर दें। हींग को थोड़े-से पानी में डालकर घोलें। कुकर को वापस गैस पर चढ़ाएं और उसमें नमक व हींग का घोल डालकर मिलाएं। दाल अगर गाड़ी लग रही हो तो उसमें थोड़ा-सा पानी भी मिला दें। धीमी आंच पर दाल को उबालें। इस बीच पैन में दो चम्मच तेल गर्म करें और उसमें सरसों डालें। जब सरसों तड़कने लगे तो पैन में करी पत्ता व लाल मिर्च डालें। मिर्च को जलने नहीं दें। तैयार तड़के को तुरंत दाल में डालकर मिलाएं। गैस ऑफ करें और दाल को गर्मागर्म चावल के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यो में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4030

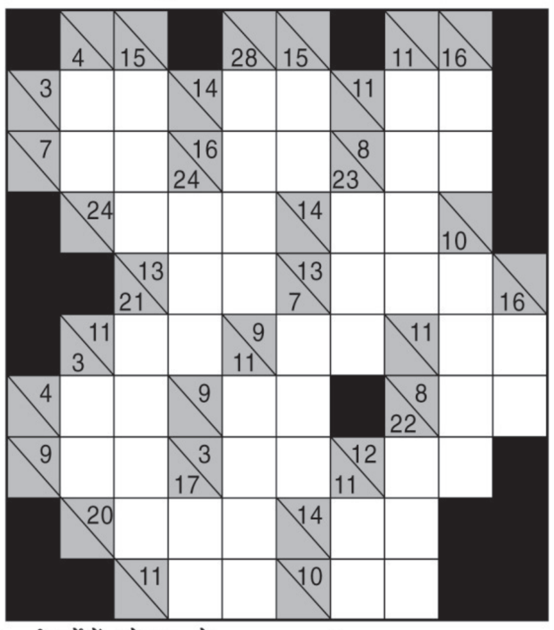

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

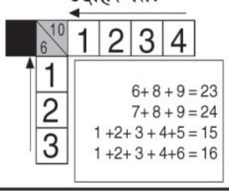

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4029 का हल

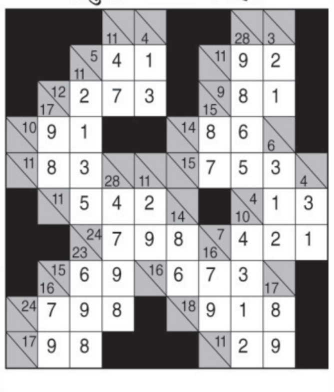

फिल्म वर्ग पहेली- 4030

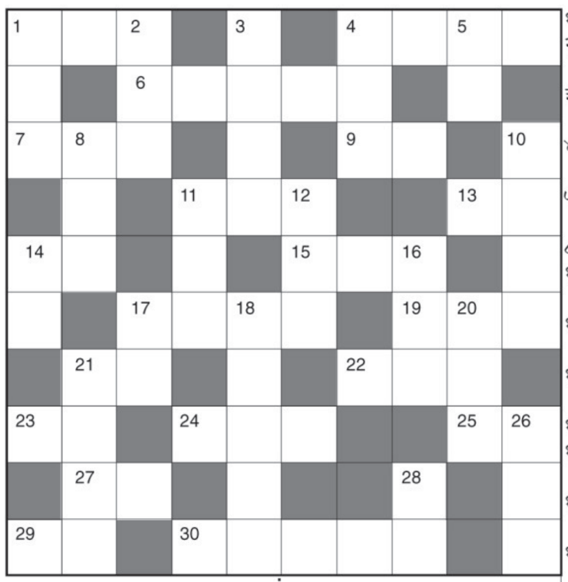

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4029

सूडोकु 4030

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4029 हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली -4030

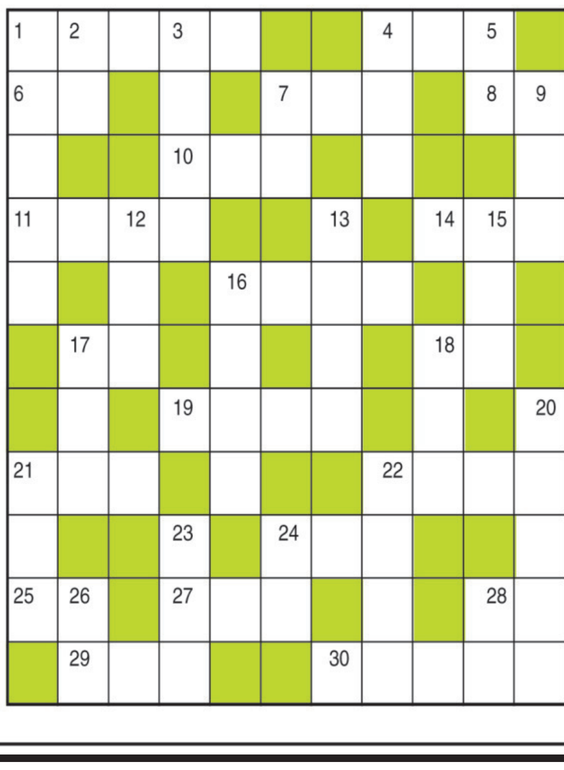

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली 4029 का हल

गुजरात के उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ से हालात हुए बेकाबू, पुलिस को करना पड़ा बल प्रयोग

एजेंसी

सूरत)। गर्मी की छुट्टियां, शादी का सीजन और फैक्टरियों में छुट्टियां घोषित होते ही गुजरात के सूरत में रहने वाले प्रवासी मजदूर अपने-अपने घर लौटने के लिए बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशनों पर उमड़ पड़े हैं। इसी के चलते उधना रेलवे स्टेशन पर हालात बेकाबू हो गए। इसके चलते स्टेशन पर भगदड़ जैसे दृश्य देखने को मिले। इससे निपटने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। यात्रियों की भारी भीड़ और ट्रेनों की कमी के कारण स्टेशन परिसर में हालात बेकाबू हो गए और अफरा तफरी मच गयी। यात्री रेलवे स्टेशन के बाहर 12 से 24 घंटे तक लंबी कतारों में भूखे-प्यासे खड़े हुए हैं। धैर्य टूटने पर कई लोगों ने स्टेशन की बाउंड्री कूदकर अंदर घुसने की कोशिश की, जिससे हालात बेकाबू हो गए। इस स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

पंच परिवर्तन से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव : वी. सुरेंद्रन

पश्चिमी सिंहभूम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित जन गोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री वी.सुरेंद्रन ने कहा कि 'पंच परिवर्तन' की अवधारणा के माध्यम से समाज में व्यापक और सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों के पालन को राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव बताते हुए युवाओं से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। चाईबासा के माधव सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक,शैक्षणिक, राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हुए। अपने विस्तृत संबोधन में वी. सुरेंद्रन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ ने स्थापना काल से ही समाज को संगठित और सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया है। सेवा, समर्पण और संगठन के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, ग्राम विकास, स्वावलंबन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में स्वयंसेवकों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और समाज के प्रति अपने दायित्वों को और बेहतर तरीके से निभाने का समय है।

बेटियों की हार में लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला आरक्षण विधेयक और संविधान संशोधन विधेयक को लेकर लोकसभा में हुए घटनाक्रम पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में संसद में जो देखने को मिला, वह बेहद अफसोसजनक है और यह देश की महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है। आजादी के 78 वर्षों बाद भी देश की बेटियां अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने उन दलों पर निशाना साधा जो 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देते रहे, लेकिन अब महिलाओं की इस लड़ाई से पीछे हट गए और इसे लोकतंत्र की जीत बता रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि बेटियों की हार में लोकतंत्र की जीत कैसे हो सकती है? दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पिछले 30 वर्षों से बार-बार संसद में आता रहा है, लेकिन हर बार किसी न किसी बहाने से उसे रोका गया। कभी फाड़ा गया, कभी दबाया गया, कभी जलाया गया। इस बार भी विपक्ष ने जानबूझकर विभिन्न तर्क गढ़कर इसे पास नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 2023 में पारित विधेयक में साफ तौर पर लिखा है कि महिलाओं के लिए आरक्षण डिलिमिटेशन (परिसीमन) के बाद लागू होगा। ऐसे में आज उसी प्रावधान को लेकर विरोध करना विरोधाभासी है। जब 2023 में यही शर्त स्वीकार की गई थी तो आज विरोध किस बात का है?

भारत के विभाजन के लिए कांग्रेस और मुस्लिम समाज उत्तरदायीः नरेंद्र कश्यप

लखनऊ । एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के भारत विभाजन वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। यूपी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कुमार कश्यप ने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान देश के लिए सही नहीं है। यूपी सरकार में मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने समाचार एजेंसी बात करते हुए कहा, 'भारत का विभाजन हुआ, देश ने देखा और देश ने उस त्रासदी को भी झेला है। लाखों लोगों की मौत हुई। जिन्ना और नेहरू इसके सूत्रधार थे। यदि मुस्लिम समाज के लोग चाहते, तो भारत का विभाजन नहीं होता। अभी भी देखते हैं न हम कि आज भी बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जो देश में रहते हैं और देश के खिलाफ बोलते हैं। देश में रहते हैं, भारत माता के जय नहीं बोलते हैं। देश में रहते हैं, पाकिस्तान के मैच हारने पर मातम मनाते हैं। उस समय की परिस्थितियां इससे भी विकराल थीं। इसलिए कांग्रेस पार्टी और मुसलमानों को विभाजन का उत्तरदायी क्यों ना माना जाए? यह बात तो सही है, मानना पड़ेगा।' उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की एक पहचान देश में भी, दुनिया में भी इस बात को लेकर बनी है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो कहती है उसे करती है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अगर समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही है तो निश्चित है हमारी सरकार उसके प्रति प्रतिबद्ध है।

महिला आरक्षण की राह में बाधा डालकर कांग्रेस और गठबंधन के दलों ने 'महापाप' किया है : विष्णुदेव साय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि देश की आधी आबादी को नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के उद्देश्य से महिला आरक्षण की राह में बाधा डालने का जो 'महापाप' कांग्रेस और गठबंधन के दलों ने किया है, उसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री साय ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर महापौर मीनल चौबे, सांसद कमलेश जांगड़े, सांसद लक्ष्मी वर्मा के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोक सभा में पारित नहीं हो पाने पर पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लोक सभा में 131वें संविधान संशोधन महिला आरक्षण बिल की राह में बाधा डालकर कांग्रेस, टीएमसी व सपा ने देश की 70 करोड़ महिलाओं के साथ विश्वासघात किया

है। आज पूरे विपक्ष का चेहरा उजागर हो चुका है। आने वाले समय में इंडी गठबंधन को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम सबका हमारा संघर्ष जारी रहेगा और महिलाओं को लोक सभा तथा विधान सभा में 33 प्रतिशत का हक दिलाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक हमारी माताओं-बहनों के लिए लोक सभा और विधान सभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करने वाला था। लेकिन, परिवारवादी राजनीति और वोट बैंक को साधने के लिए कांग्रेस ने देश की करोडों महिलाओं के साथ धोखा किया है। देश की आधी आबादी को नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के उद्देश्य से महिला आरक्षण की राह में बाधा डालने का जो 'महापाप' कांग्रेस और इंडी गठबंधन दलों ने किया है, उसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से नारियों का सम्मान हुआ है। हम लोग अपने देश में नारियों को दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी का अवतार मानते हैं। उसी दिशा में उनका नेतृत्व सुनिश्चित करने का काम होने जा रहा था, लेकिन जिस तरह से इंडी गठबंधन ने, खासतौर से कांग्रेस, टीएमसी और सपा ने जिस तरह से अधिनियम का विरोध किया और अधिनियम को पास नहीं होने दिया।

कावेरी नदी में डूबने से 6 लोगों की मौत, उर्स कार्यक्रम के दौरान हुआ हादसा

एजेंसी

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु जिले के केआर नगर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कावेरी नदी में डूबने से छह लोगों की मौत हो गई। यह घटना अर्केश्वर मंदिर के पास स्थित पुराने एडथोरे अर्केश्वर स्वामी मंदिर क्षेत्र में हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। यहां स्थित हजरत खादर लिंगवल्ली दरगाह में उर्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान आठ लोग कावेरी नदी में उतरे और तैरने का प्रयास किया, लेकिन नदी की तेज धारा और गहराई के कारण छह लोग पानी में फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घायलों को आगे के इलाज के लिए मैसूरु के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान मैसूरु के 5 वर्षीय उमर, बेंगलुरु की 13 वर्षीय ऐमन, केआर नगर के 13 वर्षीय अफीफ, बेंगलुरु के 23 वर्षीय यासीन, बेंगलुरु की 22 वर्षीय नेहा और ऊटी की 30 वर्षीय फातिमा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही केआर नगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये प्रति परिवार के मुआवजे की घोषणा की।

माफिया गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : जी किशन रेड्डी

एजेंसी

आसनसोल। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रानीगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं में जोश भरा। स्पोर्ट्स असेंबली मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में उनका जोरदार स्वागत किया गया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नेता मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत रानीगंज विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पार्थ घोष ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। इसके बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष शमशेर सिंह, दिनेश सोनी, बीएमएस के अखिल भारतीय सदस्य जयनाथ चौबे, आशा शर्मा और अपूर्व हाजरा सहित अन्य नेताओं ने उनका अभिनंदन किया। कोयला क्षेत्र को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि माफिया गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव के

बाद ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। अपने संबोधन में जी. किशन रेड्डी ने कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने का संदेश दिया और कहा कि चुनाव में जीत का आधार जमीनी स्तर पर सक्रियता होती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं और भाजपा प्रत्याशी पार्थ घोष की जीत सुनिश्चित करें।

उत्तराखंड और पंजाब के राज्यपाल विश्व शांति सद्भावना सम्मेलन में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज गुरुग्राम में अहिंसा विश्व भारती द्वारा जैन आचार्य लोकेश मुनि के जन्मोत्सव पर आयोजित 'विश्व शांति सद्भावना सम्मेलन' में भाग लिया। उन्होंने विश्व शांति और वैश्विक भाईचारे को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आचार्य लोकेश के 66वें जन्म दिवस के पावन अवसर पर 'वी सपोर्ट पीस' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सीनियर सिटीजन केसरी क्लब की अध्यक्षा डॉ. किरण चोपड़ा तथा आचार्य पुंडरिक गोस्वामी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर उत्तराखंड राज्यपाल ने कहा कि अहिंसा, करुणा, समानता और भाईचारा मानवता के विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक महान संत की जयंती नहीं, बल्कि उनके बताए गए मूल्यों को याद करने का अवसर भी है, जो दुनिया में शांति और एकता लाने में मदद करते हैं। उत्तराखंड राज्यपाल ने कहा कि आज दुनिया कई समस्याओं जैसे अस्थिरता, पर्यावरण संकट और सामाजिक असमानता का सामना कर रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल नीतियों से नहीं, बल्कि लोगों के अंदर बदलाव और अच्छे विचारों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सच्ची शांति अहिंसा, बातचीत और सहिष्णुता से आती है। उन्होंने भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, अनेकांतवाद और अपरिग्रह के संदेश को आज भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचारों को समझने से आपसी मतभेद कम हो सकते हैं।उत्तराखंड राज्यपाल ने कहा कि भारत हमेशा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को मानता आया है और दुनिया को एकता और भाईचारे का संदेश देता रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित विकास है। उन्होंने आचार्य लोकेश मुनि के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज में नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान और सामाजिक समरसता के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आचार्य लोकेश मुनि को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना की। पंजाब के राज्यपाल गुलाब सिंह कटारिया ने कहा कि आचार्य लोकेश ने देश विदेश में भगवान महावीर की शिक्षाओं और प्राचीन भारतीय दर्शन के प्रचार के माध्यम से शांति और सद्भाव की स्थापना, समाज कल्याण के लिए निरंतर काम किया है। विश्व स्तरीय शांति केंद्र की स्थापना के साथ आचार्य का विश्व शांति और सद्भाव का दृष्टिकोण बहुत बड़े पैमाने पर जीवंत हो रहा है।

बंगाल में प्रोटोकॉल तोड़कर झालमुड़ी की दुकान पर पहुंचे पीएम मोदी, बच्चों को भी खिलाया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज झाड़ग्राम में देखने को मिला। चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद एसपीजी की भारी सुरक्षा तोड़ प्रोटोकॉल से बाहर निकल कर प्रधानमंत्री मोदी अचानक सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर रुक गए। इस दौरान उन्होंने झालमुड़ी (चावल का भुजा जो तेल प्याज और मिर्ची मिलाकर बनाया जाता है) का स्वाद लिया, बच्चों और महिलाओं को खिलाया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री के अचानक रुकने से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी भी कुछ क्षणों के लिए चौंक गए, जबकि स्थानीय लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। झाड़ग्राम में जनसभा समाप्त करने के बाद वह अपने हेलीकॉप्टर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सड़क किनारे लगी एक

झालमुड़ी की दुकान देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला रुका, मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रधानमंत्री वाहन से उतरकर सीधे दुकान पर पहुंचे और दुकानदार से झालमुड़ी बनाने को कहा। दुकानदार ने मुरमुरा, मसाला, मिर्च, तेल और अचार मिलाकर झालमुड़ी तैयार की। प्रधानमंत्री ने पहले वहां मौजूद कुछ बच्चों को खिलाया, उसके बाद स्वयं भी झालमुड़ी खाई। इस दौरान आसपास मौजूद लोग जय श्री राम और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रधानमंत्री लोगों के बीच सहज भाव से दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह स्थानीय महिलाओं से बातचीत करते और हालचाल पूछते भी नजर आए। महिलाओं ने भी प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी जताई। बताया जा रहा है कि जिस दुकान पर प्रधानमंत्री रुके, वह बिहार के गया जिले के विक्रम साह की है।

विक्रम साह पिछले 12 वर्षों से झाड़ग्राम में झालमुड़ी की दुकान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आने की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। अचानक काफिला रुका और प्रधानमंत्री उनकी दुकान पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनसे अच्छी झालमुड़ी बनाने को कहा, जिसके बाद उन्होंने मसालेदार झालमुड़ी तैयार की। विक्रम साह ने बताया कि झालमुड़ी खाने के बाद प्रधानमंत्री ने उसकी तारीफ करते हुए कहा कि स्वाद बहुत अच्छा है।

चारधाम यात्रा : अब तक 19.52 लाख से अधिक पंजीकरण

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह व आस्था देखी जा रही है। इस साल चारधाम के लिए अब तक कुल 19.52 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने विभिन्न धामों के लिए पंजीकरण कराया हैं।

शाम पर्यटन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक 6.80 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है,जबकि बद्रीनाथ के लिए 5.75 लाख, गंगोत्री के लिए 3.43 लाख, यमुनोत्री के लिए 3.33 लाख और हेमकुंड साहिब के लिए करीब 19 हजार पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। रविवार से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। यात्रा के शुरुआती दिनों में ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के लिए 20 और 21 अप्रैल के लिए कुल 28,723 तीर्थयात्रियों का पंजीकरण कराया है। उत्तराखंड के विभिन्न पंजीकरण केंद्रों पर भी यात्रियों की भीड़ देखी जा रही है। केवल एक दिन में 3,698 श्रद्धालुओं ने

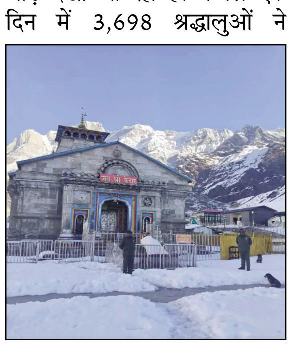

ऑफलाइन पंजीकरण कराया,जिसमें हरिद्वार और ऋषिकेश प्रमुख केंद्र हैं। सरकार की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 1364 जारी किया गया है, जिससे यात्रा से जुड़ी जानकारी और सहायता प्राप्त की जा सकती है।

महाकुंभ में वायरल हुई मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास, उज्जैन में खुद पिंडदान कर त्यागा पिछला जीवन

एजेंसी

उज्जैन। प्रयागराज महाकुंभ में वायरल हुई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और पूर्व मॉडल हर्षा रिछारिया ने अक्षय तृतीया के अवसर पर मध्य प्रदेश के उज्जैन में संन्यास ले लिया। उन्हें उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने संन्यास दीक्षा दी।

अक्षय तृतीया के अबूझ मुहूर्त में उज्जैन में मंगलनाथ स्थित गंगाघाट पर मौन तीर्थ पीठाधीश्वर सुमनाजी महाराज से विधि विधान से दीक्षा लेकर हर्षा रिछारिया को संन्यासी जीवन ग्रहण कराया। संन्यास परंपरा के अनुसार, उन्हें शिखा और दंड त्याग की विधि कराई गई। साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म भी कराए गए, जो पूर्व जीवन के त्याग और नए आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माने जाते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण किया और उन्हें नया नाम स्वामी हर्षानंद गिरि दिया गया। इस अवसर पर आश्रम में संत, श्रद्धालु और अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर स्वामी हर्षानंद गिरि ने

कहा कि यह उनके जीवन का नया अध्याय है। उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया है और संकल्प लिया है कि वे अपना जीवन धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा में समर्पित करेंगी और संन्यास की मर्यादा का पालन करेंगी। महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने कहा कि संन्यास दीक्षा एक गहन और अनुशासित प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति अपने पूर्व जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक पथ पर चलता है। मेरा सभी संन्यासियों से यही आग्रह रहता है कि वे संन्यास की गरिमा को कभी कलंकित नहीं होने दें। एक संन्यासी के आचरण का प्रभाव पूरे समाज और संन्यास परंपरा पर पड़ता है, इसलिए विधि-विधान और मर्यादा का पालन अत्यंत आवश्यक है।

संन्यास लेने के बाद हर्षा रिछारिया से हर्षानंद गिरि बनी साध्वी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ से उन्हें संकेत मिले थे कि किस दिशा में जाना है। गुरुजी के मार्गदर्शन में संध्या दीक्षा हुई है, उनके आशीर्वाद से आगे बढ़ेंगी। गुरुजी ने शपथ दिलवाई है कि ऐसा कोई काम ना हो, जिससे संन्यास से जीवन कलंकित हो। मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली हर्षा रिछारिया एंकर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट के रूप में काम करती थीं। पिछले साल प्रयागराज महाकुंभ के दौरान साधु-संतों के साथ उनकी भगवा वस्त्रों में तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। हर्षा की तस्वीरों के साथ 'खूबसूरत साध्वी' ट्रेंड किया, जिससे उनकी लोकप्रियता अचानक बढ़ गई। हालांकि, उनकी पुरानी एंकरिंग और ग्लैमर इंडस्ट्री से जुड़ी तस्वीरें सामने आने के बाद विवाद भी खड़ा हुआ था। इसके बाद से हर्षा हमेशा चर्चा में बनी रहीं।

ओरछा के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में शुरू की गई है पुष्पक विमान सुविधा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में पुष्पक विमान की सुविधा शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजधानी भोपाल के के स्टेट हैंगर से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत नए सेक्टर 'भोपाल-चंदेरी-ओरछा' का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्य प्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। आज भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए और हेलीकॉप्टर को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, भोपाल महापौर मालती राय तथा फ्लाई ओला के एस.राम ओला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धा, साहस, पुरुषार्थ, पराक्रम, ज्ञानशीलता, दानशीलता और उद्दात चरित्र के धनी भगवान परशुराम ने सदैव

अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। अपने साहस-पराक्रम और पुरुषार्थ के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले भगवान परशुराम हर युग में हम सबको प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे दिव्य व्यक्तित्व की जयंती पर प्रदेश को पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा समर्पित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है। मध्य प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र बहुत विस्तृत है, प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक, वाइल्ड लाइफ, पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश में आवागमन की दृष्टि से हेली पर्यटन सेवा, पर्यटकों का समय बचाने और यात्रा की रोचकता को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा, इन गतिविधियों के प्रोत्साहन से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों का भी स्वतः संचालन होता है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में सभी ओर हवाई सेवाओं का विस्तार किया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस ने किया 'पाप', सजा भुगतनी होगीः सर्वानंद सोनोवाल

एजेंसी

रांची। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष ने जो रुख अपनाया है, वह महिलाओं के खिलाफ है और इसके लिए उन्हें राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सोनोवाल ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां हमेशा महिलाओं को सीमित दायरे में रखती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए महिला नेतृत्व केवल इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी तक ही सीमित है, जबकि अन्य महिलाओं को उचित स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 'सेवक' के रूप में देश की सेवा की है और हर वर्ग की महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से विशेष सत्र बुलाया, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इस प्रयास का विरोध कर महिलाओं का अपमान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का रवैया नारी समाज के प्रति अनादर दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के रहते देश में महिलाएं सुरक्षित हैं और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित है। उन्होंने विपक्ष पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब संवैधानिक अधिकार देने की बात आती है, तो विपक्ष पीछे हट जाता है। सोनोवाल ने परिसीमन के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा कि देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए संसदीय क्षेत्रों का पुनर्गठन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज एक सांसद को औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करना पड़ रहा है, ऐसे में परिसीमन समय की मांग है। उन्होंने झारखंड सरकार की 'मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना' को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि यह केवल दिखावटी योजना है, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की वास्तविक भागीदारी बढ़ाने के लिए काम कर रही है।

घरेलू मैदान पर आज दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनो ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइज चौथे जबकि दिल्ली पांचवे स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उसकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई हैं। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगे के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के अलावा हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर ही दिल्ली कैपिल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली की गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलवा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

अब तक दोनो टीमों के बीच हुए 26

मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ मे शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था।

वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283

रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवे स्थान पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पप कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है।

तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है।

राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई पांचवे नंबर पर हैं। बिश्नोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

पंजाब किंग लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बनी, मैच में कई रिकार्ड भी बने

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रियांश आर्या और कूपर कॉनॉली की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पंजाब की टीम आईपीएल में लगातार छह मैच में अजेय रहने वाली पहली टीम बन गयी है। वह लीग की शुरुआत से ही अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 254 रन बनाये जिसके बाद लक्ष का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना पायी।

प्रियांश और कूपर की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इस मैच में पंजाब ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन का विकेट खो दिया पर इसके बाद भी प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की बड़ी साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला।

आर्य ने 37 गेंदों में 93 रन बनाये जबकि कॉनॉली ने 46 गेंद में 87 रन बनाए। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। पंजाब किंग्स की टीम किसी भी सत्र में शुरुआती 6 मैच में अपराजेय रहने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 5 मैच जीते है जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया।

वह इस सत्र में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक 250 रन बनाये थे।.

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मैच में 454 रन बने. जिसमें दोनों टीम की तरफ से कुल मिलाकर 32 छक्के लगाये गए। ये इस सत्र में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर एडन मार्करम के एक ही ओवर में 32 बने। ये आईपीएल का अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैड्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

लंदन ।जैक ड्रेपर ने इस हफ़्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे।24 साल के ड्रेपर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र क्ले कोर्ट मैच से उन्हें बीच में ही हटना पड़ा था।यह टूर्नामेंट हड्डी में चोट (बोन ब्रूसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का सिर्फ चौथा टूर्नामेंट था; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे।ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुक्रगुज़ार हूं कि यह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है।मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरोस के लिए पूरी तरह फ़िट हो जाऊंगा।मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूं।'

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

चेन्नई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है।श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते।श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे।श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है।पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे।2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए।उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए।उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है।श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो।जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।।वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेला जयवर्धने ने उनका बचाव किया है।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से

इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रसारणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुरत है।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़ ।लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीए में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं।इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं।इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पारी की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था।आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु की।बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी।ऋषभ ने अब बदोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है।ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था।यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी।हम शीर्ष ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई ।दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है।हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं।हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है।उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं।वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं।वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है।जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है।वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं।इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं।यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है।टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे।रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं।उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं1 इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं।मैंने अपनी गलतियां मानी हैं।अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा।वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फॉर्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है।ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा।उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है।मैं इससे दूर नहीं जा सकता।अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है।पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं।ऐसे में फिलहाल उनकी वापसी की संभावना नजर नहीं आती।

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज रासिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार हैं। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैंने क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।'

उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में मैच खेला; ऐंठन (cramps) से जूझने के बावजूद उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंठन होने लगी,

ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंठन हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।'

उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ओंकार साल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में रहना, वह मुश्किल जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तरक्की की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद (slower one) भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।'

रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हौसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां को हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थीं कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर बनेगा।'

उनकी इस यात्रा में ट्रायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पठान से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 ट्रायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पठान मौजूद थे। मुझे कुछ गेंदें फेंकते देखने के बाद उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।'

पर्दे के पीछे की उनकी मेहनत साल्वी को साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर बैठकर देख रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'

'आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, असल में नहीं'

प्रकाश राज ने 'जन नायकन' को-एक्टर थलापति विजय पर कसा तंज

अभिनेता प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वो अक्सर ही केंद्र सरकार पर निशाना भी साधते रहते हैं। अब प्रकाश राज ने 'जन नायकन' के अपने को-एक्टर थलापति विजय के राजनीति में प्रवेश करने पर कटाक्ष किया है। विजय अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में प्रकाश राज ने राजनीति के सिनेमा मॉडल पर निशाना साधा है।

प्रकाश राज ने राजनीति में फिल्मी सितारों के आने पर कसा तंज

पलानी में सीपीआई (एम) उम्मीदवार एन पांडी के लिए आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में बोलते हुए प्रकाश राज ने राज्य में प्रचलित तीन राजनीतिक दृष्टिकोणों का उल्लेख किया - द्रविड़ मॉडल, दास मॉडल और सिनेमा मॉडल। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश राज ने फिल्म सितारों के राजनीति में आने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जो स्पष्ट रूप से विजय की ओर इशारा था।

'कमर्शियल एक्टर्स' पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार 'कमर्शियल' एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, 'अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?'

एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन 'कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके। ' उन्होंने आगे कहा, 'किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

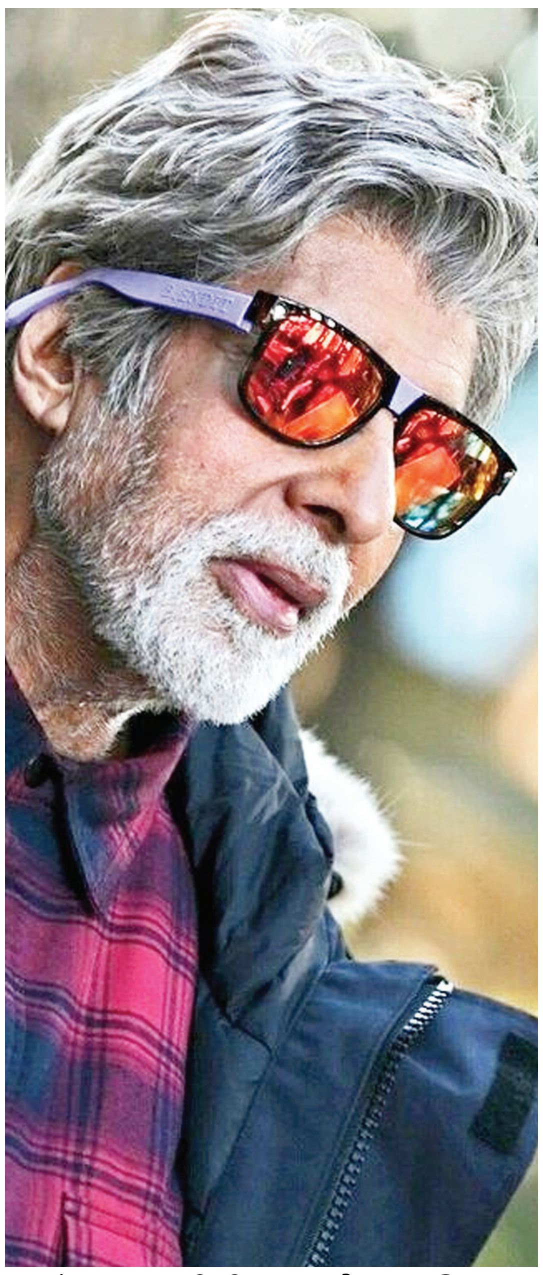

'समय जल्दी बीत जाता है...', अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, 'बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।'

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, 'धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। लेकिन इसका फल मिलता है और बहुत अच्छा मिलता है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।' उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।'' पत्रलेखा ने कहा, ''प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।''

पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ''अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने किया दावा

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ 'क्यूट' कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।' तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया।
उन्होंने कहा, 'मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। ' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी।

' उन्होंने कहा, 'चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ' तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता।

मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

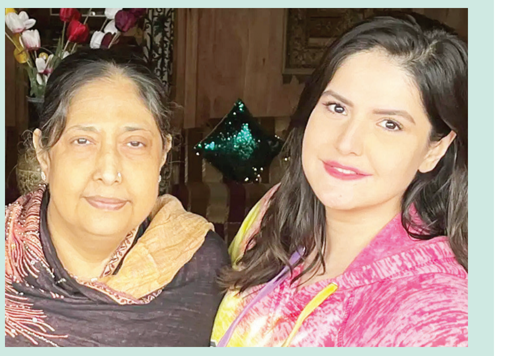

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, 'आपके बिना सब खाली है'

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, 'निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ' अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'अक्सर 2' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें मुख्य रूप से ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

अगले साल रिलीज होगी 'लव एंड वॉर'

भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म 'सांवरिया' में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

ग्रीस के एथेंस में स्थित है द पार्थेनॉन

इस भव्य मंदिर का निर्माण 447 ईसा पूर्व किया गया था। यह मंदिर एथेना देवी को समर्पित है। इस देवी को एथेंस के लोगों की संरक्षक माना जाता था। इस प्राचीन बिल्डिंग को 17 वीं शताब्दी में एक युद्ध के दौरान काफी नुकसान पहुंचा था। ग्रीस ने इसे सुरक्षित बनाए रखने के लिए काफी पैसा खर्च किया है। यह प्राचीन बिल्डिंग भूकंप के खतरे वाले इलाके में स्थित है।

हजारों साल पुरानी इन बिल्डिंगों को देखकर इंजीनियर हो जाएंगे शर्मिंदा!

आज आधुनिक तकनीक और श्रेष्ठ निर्माण सामग्री के बावजूद भी बेहद मजबूत बिल्डिंगों का निर्माण करना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन प्राचीन समय में कई ऐसी बिल्डिंग्स तैयार की गईं थीं, जो सदियां बीतने के बावजूद आज भी मजबूती के साथ सुरक्षित खड़ी हैं। आज के इंजीनियर भी इन हजारों साल पुरानी बिल्डिंगों को बनाने वाले विशेषज्ञों की भवन निर्माण के ज्ञान के सामने स्वयं को बौना महसूस करते हैं। हालांकि उस समय आज की तकनीक, संसाधन और बेहतर निर्माण सामग्री उपलब्ध नहीं थी। ये बिल्डिंग्स न केवल प्राचीन ढांचा हैं, बल्कि लाखों लोगों के आकर्षण का केंद्र भी बनी हुई हैं। विश्व की कुछ ऐसे ही प्राचीन निर्माण के नमूनों को हम यहां देखेंगे।

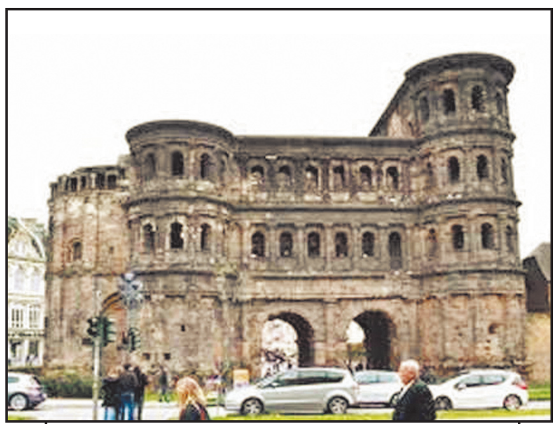

जर्मनी के ट्रियर में स्थित द पोर्टा निग्रा

जर्मनी में द पोर्टा निग्रा का निर्माण 186 से 200 ईस्वी में हुआ था। इसे सैंड स्टोन से बनाया गया है। यह रोमन साम्राज्य की एक विशाल ऐतिहासिक धरोहर है। इसका नाम भी मध्ययुग में इसके काले पत्थरों रंग पर पड़ा है। इसका पहले का नाम अज्ञात है।

सांची का स्तूप

भारत के मप्र राज्य की राजधानी भोपाल के समीप रायसेन जिले में सांची में इस स्तूप का निर्माण तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक ने तैयार करवाया था। इसमें भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं। यह दुनिया की प्राचीन सुरक्षित निर्माण कार्य में से एक है।

इंडोनेशिया के मैगेलांग का बोरोबुदुर मंदिर

इस मंदिर को दुनिया की सबसे विशाल बौद्धिस्ट ऑर्केलॉजिकल साइट माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण 9 वीं शताब्दी में किया गया था। इस मंदिर तक ऊंची चढ़ाई पैदल तय करना होती है।

इजिप्ट के सक्कारा में डिजोसेर पिरामिड

प्राचीन मिस्र की धरोहर सक्कारा नेक्रोपेलिस में स्थित है। इसे 27 वीं ईपू में तैयार किया गया था। इस मिस्र के राजाओं को दफनाने के लिए बनाया गया था।

उंचाई – 62 मीटर (203 फीट), **आधार** – अधिकतम–125.27 मीटर (411 फीट), न्यूनतम – 109.12 मीटर (358 फीट)

इटली के रोम का कैसल सेंट एंजेलो

एक समय यह रोम की सबसे ऊंची बिल्डिंग थी। शुरुआत में इसे रोमन सम्राट हैड्रियन के मकबरा के लिए बनाया गया था। इसका निर्माण ईशी शताब्दी 117 में शुरू हुआ था और 138 में पूरा हुआ। अब यह एक नेशनल म्यूजियम है।

तिब्बत के ल्हासा का जोखांग मंदिर

इस बौद्ध मंदिर का निर्माण 7 वीं शताब्दी में किया गया था। यह स्थान तिब्बतियों के सबसे पवित्र स्थानों में से प्रमुख है।

आयरलैंड के काउंटी मैथ का न्यूग्रेंज

इसका निर्माण आज से 5,000 साल पहले हुआ था। इसके अंदर चेंबर बने हुए हैं, जिनमें सूरज की रोशनी सीधे पहुंच सकती है। हर 100 लॉटरी विजेता ही इसके अंदर जाकर यहां का अनुभव ले सकते हैं।

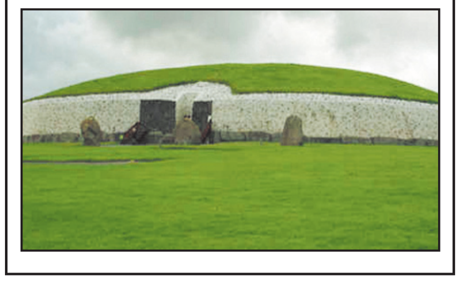

छोटी-सी बात के लिए हो गई बड़ी लड़ाई

युद्ध बहुत सी चीजों के लिए लड़े गए हैं। यह सम्मान, गौरव, आजादी जैसे कारणों के लिए उचित हो सकता है। लेकिन इतिहास में ऐसे भी कई युद्ध लड़े गए हैं, जिनके पीछे बहुत ही तुच्छ या छोटे कारण रहे हैं। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि कभी एक कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवरों के कारण भी युद्ध लड़े गए हैं।

हम आपको यहां कुछ ऐसे ही युद्ध के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके पीछे कारण तो बहुत छोटे और विचित्र थे, लेकिन इसके बावजूद भी युद्ध हो गए। वॉर से कभी भी मानव जाति का भला नहीं हुआ है। विचित्र कारणों से लड़े गए वॉर के बारे में आप यहां जानेंगे।

अमेरिका और बिट्रेन की सेनाएं 1812 में मैने बार्डर के विवाद को लेकर अरोस्टुक का वॉर लड़ चुकी थीं। इसमें ब्रिटेन की सेना ने मैने के पूर्वी इलाके में कब्जा कर लिया था, लेकिन यहां कोई भी सैनिक तैनात नहीं थे। इस इलाके को आज भी ब्रिटिश सीमा के अंतर्गत माना जाता है। 1838 के सर्दियों के मौसम में अमेरिका के कुछ लकड़ी काटने वालों ने जलाऊ लकड़ी काट ली। इससे ब्रिटेन नाराज हो गया और उसने अपने सैनिक इस इलाके में भेज दिए। दूसरी ओर से अमेरिकी सैनिक भी आगे बढ़े और लगने लगा कि युद्ध संभावित है।

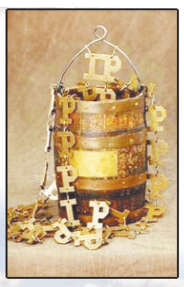

इस दौरान भूलवश अमेरिकी सैनिकों को सुअर का मांस और सेम के बीज बड़ी मात्रा में पहुंचा दिए गए। युद्ध के इंतजार में दोनों ओर की सेनाएं लंबे समय तक खड़ी रहीं, लेकिन युद्ध इसलिए नहीं हुआ क्योंकि ब्रिटेन और अमेरिका की सरकारों के बीच एक समझौता हो गया। बीमारियों और दुर्घटनाओं में दोनों पक्षों के 550 से अधिक सैनिकों की मौत हो गई। दोनों सेनाएं एक दूसरे के सामने दिसंबर 1838 से नवंबर 1839 तक डटी रहीं।

ग्रीस और बुल्गारिया के बीच शत्रुता थी और दोनों एक दूसरे के खिलाफ प्रथम विश्वयुद्ध में लड़ चुके थे। दोनों देशों के बीच 22 अक्टूबर 1925 को सीमावर्ती इलाके पेट्रिक में तनाव इसलिए बढ़ गया जब एक ग्रीक सैनिक ने अपने कुत्ते का पीछा बुल्गारिया सीमा तक किया और एक बुल्गारियन ने कुत्ते को गोली मार दी। ग्रीस ने अगले दिन बुल्गारिया की सेना को वहां से खदेड़ दिया। दस दिन तक चली इस लड़ाई में दोनों पक्षों के 42 सैनिक मारे गए। लीग ऑफ नेशन ने बुल्गारिया पर 45,000 पाउंड का जुर्माना किया।

पैरागुअन वॉर – पैराग्वे का राष्ट्रपति फ्रांसिस्को सोलानो लोपेज नेपोलियन बोनापार्ट का बहुत बड़ा प्रशंसक था और वह अपने आपको बड़ा कुशल कमांडर मानता था। उसने अपनी सैन्य कुशलता दिखाने के लिए ही1864 में अपने तीन पड़ोसी देशों अर्जेंनटीना, ब्राजील और उरुग्वे पर हमला कर दिया। यह युद्ध छह साल तक चला और 1870 में खत्म हुआ। युद्ध में पैराग्वे की 90 फीसदी पुरुष आबादी नष्ट हो गई। इसमें दोनों पक्षों से 4,00,000 से अधिक मौतें हुईं। इतिहास का यह सबसे गैर जरूरी युद्ध माना जाता है, जो बिना किसी कारण के लड़ा गया था।

लकड़ी की बॉल्टियों के लिए युद्ध – यह युद्ध 1325 में दो स्वतंत्र राज्यों मोडेना और बोलोग्ना के बीच महज लकड़ी से बनी बॉल्टी के लिए हुआ था। मोडेना के सैनिकों ने बोलोगना में एक जगह छापा मारा और लकड़ी से बनी बॉल्टियां चुराकर ले गए। बोलोग्ना ने अपने स्वाभिमान बॉल्टी वापस लाने के लिए मोडेना के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। यह युद्ध 12 साल चला लेकिन वह बॉल्टी वापस नहीं ला सका। आज भी यह मोडेना के बेल टॉवर में बॉल्टियां रखी हुई हैं।

लिजार बनाम फ्रांस – 1883 में दक्षिण स्पेन में स्थित कस्बे लिजार के लोगों ने जब यह सुना के पेरिस में घूमने गए स्पेन के राजा अलफांसो अष्टम के साथ पेरिस के लोगों की भीड़ ने न केवल बदसलूकी की है बल्कि हमला भी बोला है। इससे नाराज लिजार के मेयर और 300 नागरिकों ने 14 अक्टूबर 1883 को फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। लेकिन इसके बाद एक भी गोली नहीं चली, किसी की मौत नहीं हुई। 93 साल बाद 1976 में जब स्पेन के किंग जुआन–कार्लोस ने पेरिस की यात्रा की तो वहां के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इससे लिज्जार टाउन के स्थानीय प्रशासन ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा वापस ले ली।

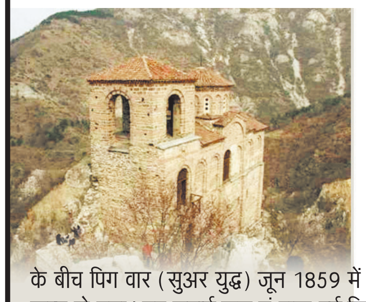

पिग वॉर – अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पिग वार (सुअर युद्ध) जून 1859 में हुआ और इसी साल अक्टूबर में खत्म हो गया। यह लड़ाई कुछ यूं शुरू हुई कि एक ब्रिटिश सैनिक ने अमेरिका की जमीन पर घूम रहे सुअर को गोली मार दी। अमेरिकी मिलिशिया ने ब्रिटिश सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ने को खड़े हो गए और उनका इंतजार करने लगे। आखिर ब्रिटिश आर्मी के जवानों अपनी हरकत पर माफी मांग ली और सिवाय एक सुअर के किसी भी सैनिक की जान नहीं गई।

335 साल का युद्ध – यह युद्ध नीदरलैंड और ग्रेट ब्रिटेन के साउथवेस्ट समुद्री तट पर स्थित इसेल ऑफ सिसली के बीच लड़ा गया था। यह युद्ध 1651 में शुरू हुआ लेकिन इस अधिक गंभीरता से नहीं लिया गया और जल्द भुला दिया गया। तीन शताब्दी बाद दो देशों के बीच 1986 में एक शांति समझौता हुआ लेकिन यह मानव इतिहास का सबसे लंबा युद्ध गिना जाता है। लेकिन एक भी मौत नहीं हुई। **युद्ध की अवधि** – (1651–1986) तीन सौ पैंतीस वर्ष।